प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 187 | दिनांक : बुधवार, 08 जुलाई 2026 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

संघर्षों से टकराकर प्राप्त की गई सफलताएं स्वाभिमान पैदा करती हैं, अभिमान नहीं।

टीम इंडिया का सरेंडर, इंग्लैंड ने दी शर्मनाक हार; चकनाचूर हुआ सीरीज जीतने का सपना...

» पृष्ठ 7 पर

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब में भाजपा को लगा बड़ा झटका

पूर्व विधायक ने थामा AAP का दामन

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- पंजाब की राजनीति से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी को उस समय बड़ा झटका लगा जब पूर्व विधायक आप में शामिल हो गए।

जानकारी के मुताबिक श्री हरगोबिंदपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बलविंदर लाडी भारतीय जनता पार्टी (BJP) छोड़ आम आदमी पार्टी (AAP) में शामिल हो गए हैं।

वहीं विधानसभा चुनावों से पहले बलविंदर लाडी का आम आदमी पार्टी में शामिल होना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना के रूप में देखा जा रहा है। उनका क्रम में शामिल होना इस क्षेत्र में आप को संगठनात्मक रूप से मजबूत करेगा।

पंजाब के दो युवकों की कनाडा में नहर में डूबने से मौत, परिवार में मचा कोहराम

कनाडा (एजेंसी)- विदेश से आए दिन पंजाब के युवकों की मौत की खबरें सामने आती रहती है। ऐसी ही एक खबर सामने आ रही है। खबर है कि विदेश में पंजाब के दो युवकों की मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक कनाडा के मॉन्ट्रियल में पंजाब के दो युवकों की नहर में डूबने से मौत हो गई है। मृतकों की पहचान पंजाब के बरनाला जिले के तपामंडी निवासी 26 वर्षीय लवप्रीत सिंह और दूसरा युवक अमृतसर साहिब जिले के नौरंगपुर के बुटाला गांव का रहने वाला था।

दोस्त को बचाने के लिए नहर में कूदा

बताया जा रहा है कि कनाडा के मॉन्ट्रियल में लाचिन नहर में लवप्रीत सिंह का दोस्त अचानक फिसल गया। घटना की जानकारी मिलते ही लवप्रीत सिंह उसे बचाने के लिए नहर में कूद गया। हालांकि, अपने दोस्त को बचाने की कोशिश में लवप्रीत खुद डूब गए।

वहीं जब कनाडाई अधिकारियों को घटना की जानकारी मिली, तो उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इस दुखद घटना ने लवप्रीत सिंह के पूरे परिवार को झकझोर दिया है।

बताया जा रहा है कि 26 वर्षीय लवप्रीत सिंह कनाडा के मॉन्ट्रियल स्थित एक कंपनी में वर्क परमिट पर ट्रेलर ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। इस घटना की जानकारी में मातम छा गया है और उनका रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

जम्मू-कश्मीर में बारिश का कहर, बाढ़ से डोडा के ठाठरी मार्केट में तबाही

किश्तवाड़ में लैंडस्लाइड, जम्मू-कश्मीर में बारिश से आई बाढ़

जम्मू (ब्यूरो)- जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की वजह से कई जिलों में अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसकी वजह से सड़कें, गाड़ियों और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। खराब मौसम की वजह से अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने को कहा। रात भर हुई भारी बारिश की वजह से डोडा जिले के थाथरी सब-डिविजन में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे घरों, गाड़ियों और अन्य संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा।

स्थानीय नालों और नदियों में जलस्तर चानक बढ़ने से बाढ़ का पानी पूरी ठाठरी मार्केट तक पहुंच गया, जिससे भारी तबाही हुई। बाढ़ का पानी बड़े पत्थर, कीचड़ और मलबे के साथ रिहायशी इलाकों में लोगों के घरों तक पहुंच गया, जिससे काफी नुकसान हुआ। सड़कों और बाजारों में खड़ी गाड़यों को भी काफी नुकसान पहुंचा।

मोदी की इंडोनेशिया यात्रा से रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती

भारत से इंडोनेशिया ने की ब्रह्मोस की डील

ऑपरेशन सिंदूर में चली अस्त्र मिसाइल भी खरीदेगा, भारत-इंडोनेशिया के बीच 20 समझौते, रक्षा और ब्रह्मोस सहयोग पर बड़ा कदम

» प्रथम न्यूज । जकार्ता

07 जुलाई (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, कृषि, दूरसंचार, खनिज, आपदा प्रबंधन और चुनावी सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में 20 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने छह नई पहलों की भी घोषणा की, जिससे व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

दौरे की सबसे अहम उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में सहयोग को माना जा रहा है। दोनों देशों ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई, जबकि इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में चली भारत की स्वदेशी एयर-टू-एयर मिसाइल 'अस्त्र' खरीदने का भी फैसला किया है। इससे इंडोनेशिया की सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी होगी और रक्षा क्षेत्र में भारत की भूमिका और मजबूत होगी।

हस्ताक्षरित समझौतों में शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष के उपयोग, अनुसंधान सहयोग, चिकित्सा उत्पादों के नियमन, खनिज एवं इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने के प्रावधान शामिल हैं। समुद्री सुरक्षा, दूरसंचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य कार्यबल विकास, अनुसंधान एवं नवाचार तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

दोनों देशों ने भारत के निर्वाचन आयोग और इंडोनेशिया के जनरल इलेक्शन कमीशन के बीच चुनावी सहयोग को भी नया आयाम दिया है। साथ ही भारत की यूपीआई प्रणाली को इंडोनेशिया के भुगतान नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भी प्रगति हुई है, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

औद्योगिक सहयोग के तहत भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाताउ स्टील ने स्टेनलेस स्टील स्लैब विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए संयुक्त उपक्रम पर सहमति जताई। इसके अलावा रेयर अर्थ मैग्नेट विकास से जुड़ा समझौता भी हुआ।

नई पहलों के तहत भारत योग्यकार्ता स्थित ऐतिहासिक प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण में सहयोग करेगा, हिंद महासागर क्षेत्र के सूचना संलयन केंद्र में इंडोनेशियाई संपर्क अधिकारी तैनात किया जाएगा तथा इंडोनेशिया को 100 टन उच्च गुणवत्ता वाले गेहूं बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

इन फैसलों से दोनों देशों के रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिंटांग आदिपूर्णा' से सम्मानित हुए पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इंडोनेशिया दौरे के पहले चरण में मंगलवार को जकार्ता पहुंचे, जहां इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिटो ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंटांग आदिपूर्णा' से सम्मानित करने की घोषणा की। इस दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच इंडोनेशियाई सेना को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति संबंधी महत्वपूर्ण समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। सम्मान ग्रहण करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों, भारत-इंडोनेशिया की ऐतिहासिक मित्रता और दोनों देशों के लोगों की भावनाओं का सम्मान है। उन्होंने राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया सरकार और वहां की जनता का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2018 में स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी अब नए आयाम छू रही है। दोनों देशों ने रक्षा, सुरक्षा, समुद्री सहयोग, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। मोदी ने विश्वास जताया कि भारत-इंडोनेशिया संबंधों का एक नया स्वर्णिम अध्याय शुरू होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता

व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गति देने पर सहमति

» प्रथम न्यूज । जकार्ता

07 जुलाई (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रथोपो सुबियांतो के बीच मंगलवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि और महत्वपूर्ण खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान इस्ताना मर्देका (राष्ट्रपति भवन) में राष्ट्रपति प्रयोयो सुबियांतो ने उनका औपचारिक स्वागत किया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। जनवरी 2025 में भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति प्रथोयो सुबियांतो की भारत यात्रा के बाद दोनों नेताओं की यह पहली द्विपक्षीय बैठक थी। दोनों नेताओं के बीच सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई, जिसमें व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, डिजिटल और वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं औषधि, अंतरिक्ष, महत्वपूर्ण खनिज एवं रेयर अर्थ, संस्कृति, पर्यटन, कृषि तथा जन-से-जन संपर्क सहित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने भारत के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) की तर्ज पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क (आईओएन) की शुरुआत का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2027 में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की इंडोनेशिया यात्रा के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से टैगोर देंतरा सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कूटनीति वर्ष मनाने की घोषणा भी की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया तथा आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की।

उन्होंने मुक्त, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के महासागर (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अर्कोस रीजन) दृष्टिकोण की भी जानकारी दी।

राष्ट्रपति प्रबोयो ने वर्ष 2026 में ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

नर्मदा परियोजना विवाद पर चार राज्यों में बनी सहमति

अमित शाह की मौजूदगी में हुआ ऐतिहासिक समझौता

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

07 जुलाई (ब्यूरो)

नर्मदा नदी परियोजना से जुड़े वर्षों पुराने विवाद को सुलझाने की दिशा में मंगलवार को बड़ी सफलता मिली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र ने नर्मदा परियोजना से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान पर सहमति जताई। इस समझौते के तहत विस्थापन, भूमि मुआवजे और लंबित भुगतान से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाएगा।

बैठक में नर्मदा नदी के जल-प्लावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के पुनर्वास और जमीन के मुआवजे को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर चर्चा हुई। अधिकारियों के अनुसार चारों राज्यों ने आपसी सहमति से इस मुद्दे को सुलझाने पर सहमति व्यक्त की। यह विवाद कई दशकों से लंबित था जिसके कारण प्रभावित परिवारों को मुआवजे और अन्य अधिकारों को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जताई सहमति

इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद रहे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसमें हिस्सा लिया।

सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विवाद के सर्वमान्य समाधान पर सहमति जताई।

जम्मू-कश्मीर के दौरे को बीच में छोड़ दिल्ली लौट रहे नितिन नवीन

» प्रथम न्यूज । जम्मू

07 जुलाई (ब्यूरो)

भाजपा अध्यक्ष नितिन अपने दो दिनों के जम्मू-कश्मीर दौरे से बीच में ही वापस लौट रहे हैं। उन्होंने सोमवार को कुछ बैठकों में हिस्सा लिया था और मंगलवार को वैष्णो देवी की यात्रा पर जाने वाले थे। माता वैष्णो देवी के दर्शन से पहले ही वह दिल्ली वापस लौट रहे हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि कुछ आधिकारिक जिम्मेदारियों के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा है। वह भाजपा अध्यक्ष के तौर पर पहली बार सोमवार को जम्मू पहुंचे थे। यहां उन्होंने कई बैठकों में हिस्सा लिया था और आरएसएस के ऑफिस भी पहुंचे थे। उन्होंने करीब डेढ़ घंटों की एक मीटिंग भी की थी, जिसमें भाजपा के मौजूदा और पूर्व विधायकों के साथ मीटिंग की थी।

यह मीटिंग भाजपा के त्रिकुटा नगर स्थित प्रदेश मुख्यालय में हुई थी। इसके बाद उन्हें माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाना था, लेकिन उनकी यात्रा का प्लान बदल गया। अब वह दिल्ली वापस लौट रहे हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और विधायक आरएस पठानिया ने यह जानकारी दी। भाजपा की ओर से नितिन नवीन के कार्यक्रम में बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। लेकिन पार्टी सूत्रों ने कहा कि उनकी कुछ मीटिंग थीं और इसके कारण उन्हें तत्काल दिल्ली लौटना पड़ा है। पठानिया ने कहा कि जम्मू दौरे पर नितिन नवीन ने भाजपा के कुछ मौजूदा और पूर्व विधायकों से मुलाकात की। इस दौरान कई मसलों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि नितिन नवीन पहले संगठन के नेताओं और विधायकों से अलग-अलग मिलने वाले थे। लेकिन जब प्रोग्राम में बदलाव हुआ तो फिर उन्होंने सबको एक ही मीटिंग में बुला लिया। बता दें कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर वह जम्मू पहुंचे थे। मुखर्जी का जम्मू-कश्मीर से गहरा नाता रहा है। उन्होंने आर्टिकल 370 और जम्मू कश्मीर के अलग संविधान को लेकर आंदोलन किया था। इसी दौरान उनका निधन हो गया था। ऐसे में जम्मू-कश्मीर का मसला भाजपा के लिए भावनात्मक विषय रहा है। नितिन नवीन ने इस दौरे में जम्मू के अमफला स्थित केशव भवन का दौरा भी किया। इस दौरान उनकी संघ के कई सीनियर से लोगों मुलाकात भी हुई।

अमरनाथ गुफा से अंतर्ध्यान हो गए बाबा बर्फानी

प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघला, दर्शन खुले अभी केवल 5 दिन हुए

» प्रथम न्यूज । जम्मू-कश्मीर

07 जुलाई (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा से बाबा बर्फानी अंतर्ध्यान हो गए हैं। खबर आ रही है कि अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। ज्ञात रहे कि बाबा बर्फानी के दर्शन खुले अभी केवल 5 दिन ही हुए हैं। यानि 3 जुलाई से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की अमरनाथ यात्रा शुरू हुई थी और 7 जुलाई आते-आते बाबा बर्फानी के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ हो गए। अमरनाथ गुफा तक पहुंचकर भी श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शन नहीं हो सके। जिसके पहले BSF जवानों ने बाबा बर्फानी की जो तस्वीर जारी की, उसमें शिवलिंग का आकार 7 फुट था। बता दें कि 3 जुलाई से अब तक 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं और करीब 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना अभी बाकी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार अमरनाथ गुफा की ओर बढ़ रहे हैं।

6 जुलाई को शिवलिंग 90% पिघला

एक दिन पहले 6 जुलाई को अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90% पिघल चुका था और ऊंचाई करीब एक फीट बची थी। जबकि इससे पहले 29 जून को पहली पूजा के दिन प्राकृतिक बर्फ के शिवलिंग की 5 फुट ऊंचाई थी। वहीं इससे चलते कई श्रद्धालु अमरनाथ गुफा और बाबा बर्फानी के स्थान के ही दर्शन कर लौट आए।

श्रद्धालुओं में मायूसी, फिर भी आस्था बरकरार

प्राकृतिक कारणों से भले ही बाबा बर्फानी के शिवलिंग के दर्शन नहीं हो पा रहे हैं लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था फिर भी बरकरार है। हां दर्शन न होने से थोड़ी मायूसी जरुर है। फिलहाल प्रशासन ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की है। इस बीच हर-हर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा जारी है।

बता दें कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा करीब 57 दिनों तक चलेगी और श्रावण पूर्णिमा (रक्षा बंधन) के पावन अवसर (28 अगस्त 2026) पर समाप्त होगी। यानि इतने दिनों तक तीर्थयात्री पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के अद्भुत दर्शन कर पाएंगे। अमरनाथ यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन और मेडिकल प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को हाई कोर्ट से झटका, तत्काल राहत देने से इनकार

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- जेल में बंद पंजाब कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि संजीव अरोड़ा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जानकारी के मुताबिक संजीव अरोड़ा की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई फिलहाल टाल दी है। अदालत ने जमानत अर्जी पर फैसला सुनाने से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद ही कोर्ट फैसला लेगा कि मंत्री संजीव अरोड़ा को जेल में रखना है या फिर जमानत दे दी जाएगी। आपको बता दें कि इस समय मंत्री संजीव अरोड़ा गुरुग्राम की जेल में बंद है। संजीव अरोड़ा की जमानत याचिका पर 3 सितंबर को सुनवाई होगी।

संजीव अरोड़ा ने नियमित जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा उस समय खटखटाया, जब गुरुग्राम की अदालत 15 जून को उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी थी। निचली अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट में नियमित जमानत की मांग करते हुए याचिका दायर की।

12 ग्राम हेरोइन और अवैध शराब सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - गुरदासपुर जिला पुलिस ने अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीमों ने विशेष चेकिंग के दौरान दो नशा तस्करों को 12 ग्राम हेरोइन और एक आरोपी को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

विभिन्न थानों के अंतर्गत दर्ज किए गए मामलों का विवरण इस प्रकार है:

1. हेरोइन तस्करी के मामलों में दो गिरफ्तार (कुल 12 ग्राम बरामद)

-थाना सिटी गुरदासपुर : पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रदीप कुमार नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 06 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

-थाना काहनूवान : एक अन्य कार्रवाई में थाना काहनूवान की पुलिस ने रवि कुमार को गिरफ्तार करके उसके पास से 06 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना काहनूवान में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत केस दर्ज किया गया है।

2. 7,500 एमएल अवैध शराब सहित एक काबू (थाना दीनानगर)

थाना दीनानगर की पुलिस पार्टी ने गश्त के दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए जगदीश नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से 7,500 एमएल अवैध शराब बरामद की गई है। इस बड़ी बरामदगी के बाद आरोपी के खिलाफ थाना दीनानगर में आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पार्क अस्पताल मोहाली में 16 घंटे के नवजात की सफल जीवन रक्षक सर्जरी

मोहाली (जगमीत घुम्मन)- पार्क अस्पताल, मोहाली के डॉक्टरों ने जन्मजात डायाफ्रामिक हर्निया (सीडीएच) से पीड़ित मात्र 16 घंटे के नवजात शिशु की सफल जीवन रक्षक सर्जरी कर उसे नया जीवन दिया है। सीडीएच एक दुर्लभ जन्मजात बीमारी है, जिसमें डायाफ्राम में छेद होने के कारण पेट के अंग छाती की कैविटी में पहुंच जाते हैं और फेफड़ों के विकास के साथ-साथ सांस लेने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड जांच में इस बीमारी का पता चल गया था। जन्म के तुरंत बाद बच्चे को सांस लेने में गंभीर कठिनाई हुई, जिसके बाद उसे पार्क अस्पताल के नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया। जांच में पाया गया कि लिवर का दाहिना हिस्सा, गॉलब्लैडर और आंतों का कुछ भाग छाती में पहुंच चुका था, जिससे फेफड़ों पर दबाव पड़ रहा था। बच्चे की स्थिति स्थिर होने के बाद पीडियाट्रिक सर्जन एवं पीडियाट्रिक यूरोलॉजिस्ट डॉ. हर्षिता कौर ने सफल सर्जरी कर सभी अंगों को उनकी सही जगह पर स्थापित किया तथा डायाफ्राम में मौजूद लगभग 3म2 सेंटीमीटर के छेद को रिपेयर किया। सर्जरी के बाद बच्चे को विशेष निगरानी में रखा गया। अब उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया है और वह सामान्य रूप से दूध पी रहा है। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है।

वेरका ने जून में रचा रिकॉर्ड, 551 करोड़ रुपये का कारोबार

भगवंत मान बोले, वेरका की सफलता किसानों और उपभोक्ताओं के भरोसे की जीत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जुलाई (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब के सहकारी डेयरी ब्रांड वेरका (मिल्कफेड पंजाब) ने जून 2026 में 551 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार दर्ज किया है। यह जून 2025 के 480 करोड़ रुपये की तुलना में 71 करोड़ रुपये अधिक है, जिससे कंपनी ने 14.79 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस उपलब्धि को वेरका ब्रांड के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास और पंजाब के सहकारी डेयरी क्षेत्र की मजबूती का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दूध खरीद बढ़ाने, प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार करने और वैल्यू एडेड डेयरी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि जून 2026 में दूध की औसत दैनिक खरीद में करीब दो लाख लीटर की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि राष्ट्रीय औसत 5 से 6 प्रतिशत के मुकाबले लगभग दोगुनी है।

जून के दौरान वेरका के कई उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। टेबल बटर की बिक्री 94 प्रतिशत, यूएचटी क्रीम 213 प्रतिशत, घी 41 प्रतिशत और डेयरी व्हाइटनर 58 प्रतिशत बढ़ा। इसके अलावा यूएचटी मिल्क, आइसक्रीम और टेट्रा पैक लस्सी की बिक्री में भी अच्छा इजाफा हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर उत्पाद पोर्टफोलियो, प्रभावी विपणन रणनीति और वैल्यू एडेड उत्पादों की बढ़ती मांग इस सफलता का आधार है। उन्होंने मिल्कफेड प्रबंधन, कर्मचारियों, सहकारी समितियों और लाखों दुग्ध उत्पादकों को बधाई देते हुए कहा कि सहकारी डेयरी आंदोलन ग्रामीण समृद्धि, रोजगार सृजन और किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा, ऊना के तीन लोगों की मौत

शादी से लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा

» प्रथम न्यूज । मोहाली
07 जुलाई (ब्यूरो)

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के टोल प्लाजा के पास हुए भीषण सड़क हादसे में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब आगे चल रहे कंटेनर के अचानक ब्रेक लगाने पर पीछे से आ रही क्रेटा कार उसके पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान ऊना जिले के देहलां गांव निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी सुरेश ऐरी, मैहतपुर निवासी कारोबारी प्रत्युष जैन और उनकी पत्नी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार हादसा घड़ूंआ थाना क्षेत्र में भारतमाला एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा के पास हुआ। सूचना मिलते ही घड़ूंआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त कार में फंसे तीनों लोगों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रत्युष जैन के चाचा अश्वनी जैन ने बताया कि प्रत्युष अपनी पत्नी और परिवार के मित्र सुरेश ऐरी के साथ जींद में अपनी बहन की शादी में शामिल होने गए थे। शादी समारोह रविवार को संपन्न हुआ था।

इसके बाद तीनों कार से ऊना लौट रहे थे। मंगलवार सुबह मोहाली के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा के निकट उनकी कार हादसे का शिकार हो गई, जिसमें तीनों की मौत हो गई।

अश्वनी जैन ने बताया कि प्रत्युष जैन की शादी करीब तीन माह पहले ही हुई थी। परिवार में शादी की खुशियां अभी खत्म भी नहीं हुई थीं कि इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही ऊना में शोक की लहर दौड़ गई।

जालंधर में एनकाउंटर, जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में लगी गोली; अरेस्ट करते समय आरोपी ने की फायरिंग

» प्रथम न्यूज । जालंधर
07 जुलाई (ब्यूरो)

पंजाब के जालंधर में गढ़ा रोड पर फायरिंग और नशा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। घटना जालंधर कैंट के जमशेर खास क्षेत्र में हुई, जहां आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस की तरफ से जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पहचान श्यामदास के रूप में हुई है, जो मूल रूप से दरभंगा (बिहार) का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से जालंधर के गढ़ा इलाके में रह रहा था। उसे 4 जुलाई को एनडीपीएस एक्ट के तहत नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने एक अवैध हथियार छिपाकर रखने की जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस टीम उसे बरामदगी के लिए मौके पर लेकर गई। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर पहुंचने के बाद आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह किया और फिर अचानक पुलिस कर्मियों को धक्का देकर उस स्थान की ओर भागा, जहां हथियार छिपाया गया था। वहां से पिस्तौल निकालकर उसने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। पुलिस कर्मियों ने सतर्कता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा।

हत्या के प्रयास के मामले में भी था वांछित

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि श्यामदास गढ़ा क्षेत्र में दर्ज हत्या के प्रयास (धारा 307) के एक मामले में भी वांछित था। आरोप है कि उसने अपने साथी साहिल के साथ मिलकर अपने ही रिश्तेदार अमरजीत पर जानलेवा फायरिंग की थी और घटना के बाद से फरार चल रहा था।

एफएसएल करेगी हथियारों की जांच

घटना के बाद मौके पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को बुलाकर हथियार, कारतूस और अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लिया गया। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, अवैध हथियार रखने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत नया मामला भी दर्ज किया जाएगा।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में नशा तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहार से नशा लाकर पंजाब में करता था सप्लाई

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का नेटवर्क अंतरराज्यीय स्तर तक फैला हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह बिहार से गांजा लाकर पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी सप्लाई करता था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि उसके पास मिला अवैध हथियार कहां से आया और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका है। इसके लिए बिहार पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है।ह्य

SSR के दबाव में शिक्षक की मौत से उबाल, सरकार और चुनाव आयोग घिरे

गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन ने उठाए सवाल; रिटायर्ड जज से जांच, 1 करोड़ मुआवजा और नौकरी की मांग

» प्रथम न्यूज । जालंधर
07 जुलाई (ब्यूरो)

चुनावी कार्यों के नाम पर शिक्षकों पर बढ़ता मानसिक दबाव दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला और शिक्षकों की मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यभर में संघर्ष तेज किया जाएगा।
– गणेश भगत, सहायक प्रेस सचिव, गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब

एसएसआर (समरी रिवीजन) कार्य के दौरान कथित मानसिक दबाव के चलते आत्महत्या करने वाले बीएलओ शिक्षक गुरप्रीत सिंह (गांव सलोपुर, अध्यापक एसपीएस भैणी मियां खान) की दुखद मौत पर गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए पंजाब सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यूनियन नेताओं का कहना है कि चुनावी कार्यों के दौरान शिक्षकों पर बढ़ते दबाव और मानसिक प्रताड़ना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

यूनियन के सहायक प्रेस सचिव गणेश भगत, फगवाड़ा तहसील प्रधान परमजीत सिंह चौहान तथा वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह ने जारी संयुक्त बयान में कहा कि शिक्षकों को स्कूलों से बाहर निकालकर लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है। एसएसआर कार्य के दौरान बार-बार नोटिस जारी करना, जवाबदेही के नाम पर दबाव बनाना और लक्ष्य पूरा करने के लिए मानसिक तनाव पैदा करना गंभीर चिंता का विषय है।

नेताओं ने कहा कि सत्ता में आने से पहले शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य न लेने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के बड़े दावे किए गए थे, लेकिन वर्तमान में हालात इसके विपरीत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे शिक्षक वर्ग को झकझोर कर रख दिया है।

यूनियन ने मांग की कि मृतक शिक्षक के परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए तथा मामले की जांच किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में करवाई जाए। साथ ही घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

यूनियन ने यह भी मांग उठाई कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 800 से अधिक है, वहां कार्यभार कम करने के लिए अतिरिक्त हेल्पर नियुक्त किए जाएं। एसएसआर कार्य पूरा करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए और शिक्षकों पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव डालना तुरंत बंद किया जाए।

एसआईआर ड्यूटी में लगे अध्यापकों और कर्मचारियों पर बनाया जा रहा अनावश्यक दबाव : सांझा अध्यापक मोर्चा

» प्रथम न्यूज । फगवाड़ा
07 जुलाई (ब्यूरो)

सांझा अध्यापक मोर्चा तहसील फगवाड़ा की एक अहम बैठक चक्क हकीम में आयोजित हुई। बैठक में मोर्चा के नेता गणेश भगत, जसबीर भंगू, जसवीर सिंह, सतनाम सिंह परमार, परमजीत चौहान, सतनाम सिंह गिल, सुरिंदर राम, राम और पंकज शर्मा ने आरोप लगाया कि एसआईआर कार्य में लगे अध्यापकों और कर्मचारियों को प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अनावश्यक रूप से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है तथा कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मोर्चा नेताओं ने बताया कि पंजाब भर में 25 जून से 24 जुलाई तक घर-घर जाकर एसआईआर का कार्य किया जा रहा है। कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद तहसील और जिला स्तर के अधिकारी लगातार फोन कॉल, ऑनलाइन मीटिंगों और समीक्षा बैठकों के माध्यम से उन पर अतिरिक्त दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड में काम कर रहे कर्मचारियों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मतदाताओं के घरों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई स्थानों पर लोग घरों में नहीं मिलते, जबकि भीषण गर्मी के बीच कर्मचारियों को लगातार क्षेत्र में रहना पड़ रहा है। वर्तमान समय में धान की रोपाई का सीजन होने के कारण किसान और मजदूर भी अपने कार्यों में व्यस्त हैं, जिससे सर्वे कार्य प्रभावित हो रहा है।

अध्यापक नेताओं ने कहा कि एक तरफ कर्मचारी कड़ी धूप और गर्मी में फील्ड में काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अधिकारी वातानुकूलित कमरों में बैठकर जमीनी परिस्थितियों को समझे बिना आदेश जारी कर रहे हैं। इससे कर्मचारियों में भारी मानसिक तनाव और असंतोष पैदा हो रहा है।

सांझा अध्यापक मोर्चा ने पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र भेजकर मांग की है कि एसआईआर कार्य में लगे कर्मचारियों और अध्यापकों पर अनावश्यक दबाव डालने वाले अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। नेताओं ने कहा कि यदि इसी प्रकार मानसिक दबाव जारी रहा तो भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

मोर्चा ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कर रहे हैं तथा प्रशासन को सहयोगात्मक रवैया अपनाते हुए उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करने से बचना चाहिए।

गन्ना किसानों को राहत- फसल सर्वेक्षण का जायजा लेने पहुंचे गन्ना कमिश्नर डॉ. अमरीक सिंह

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
07 जुलाई (संदीप सन्नी)

पंजाब के गन्ना कमिश्नर डॉ. अमरीक सिंह ने इंडियन सुक्रोज लिमिटेड, मुकेरियां के अधिकार क्षेत्र में चल रहे गन्ना फसल सर्वेक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों का दौरा कर किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। उनके साथ क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र कपूरथला के निदेशक डॉ. गुलजार सिंह संघेड़ा, चीनी मिल के अधिकारी तथा कृषि विभाग के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। डॉ. अमरीक सिंह ने बताया कि जून-जुलाई के दौरान गन्ने की फसल का विशेष सर्वेक्षण किया जाता है ताकि फसल क्षेत्र, उत्पादन और कीट-रोगों की स्थिति का सही आकलन कर आगामी पेराई सत्र की योजना बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लू को देखते हुए किसानों को गन्ने की फसल में 10 से 15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए, जिससे फसल के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने बताया कि राज्य की सभी सहकारी चीनी मिलों ने किसानों के गन्ने का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। वहीं निजी चीनी मिलों के अंतर्गत आने वाले किसानों के खातों में सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी राशि भी ट्रांसफर की जा रही है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. गुलजार सिंह संघेड़ा ने कहा कि सर्वेक्षण में गन्ने की फसल की स्थिति संतोषजनक पाई गई है। कुछ स्थानों पर मूंढ़ी फसल में अगेती शूट बोरर का हल्का प्रभाव देखा गया है, लेकिन यह आर्थिक नुकसान के स्तर से काफी कम है। उन्होंने किसानों को समय पर खाद, यूरिया और कीट नियंत्रण उपाय अपनाने की सलाह दी। चीनी मिल प्रबंधन ने किसानों को उचित दरों पर कीटनाशक उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। किसानों ने समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जल शक्ति व लोनिवि की कार्य प्रणाली पर उठे सवाल

पट्टा मेहलोग (तारा): लोक निर्माण विभाग मंडल कसौली व उप मंडल चंडी के तहत पट्टा मेहलोग से गोयला चंडी की ओर जाने वाली सड़क पर इन दिनों लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली व जल शक्ति विभाग का हैंडपंप सुर्खियों में है। दरअसल, लोक निर्माण विभाग द्वारा जब इस सड़क को चौड़ा व पक्का किया जा रहा था तो गाँव कंजयारा बस स्टॉप पर सड़क के एक ओर यह हैंडपंप मौजूद था। लेकिन लोनिवि ने जब इस सड़क को इस स्थान पर चौड़ा व पक्का किया तो जल शक्ति विभाग को खबर करने की बजाय इसे बीच सड़क में ले लिया और सड़क को पक्का कर दिया। स्थानीय लोग इसे दोनों विभागों की लापरवाही बता रहे हैं। हालांकि यह सड़क बहुत ज्यादा व्यस्त नहीं रहती,लेकिन बीच सड़क में हैंड पंप होने से कई बार अंधेरे, धुंध व कोहरे में यह वाहन चालकों के लिए जानलेवा हो सकता है। कई मर्तबा यहां से गुजरते हुए वाहन चालक भी गच्चा खाने लगे हैं कि यहां से किस ओर गाड़ी निकाले दाएँ या फिर बाएं। इससे यह कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। क्योंकि ग्रामीणों को इससे पानी लेने के लिए सड़क को क्रॉस करना पड़ रहा है।अक्सर जब छोटे बच्चे या बजुर्ग इसका प्रयोग करते हैं तो दुर्घटना का अंदेशा बढ़ जाता है।वहीं तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों के लिए यह यकीनन पल भर में दुर्घटना का कारण बन सकता है।लेकिन दोनों ही विभागों ने पब्लिक सुरक्षा व वाहन चालकों के सारे जोखिमों को दर किनार कर अपना सपना पल्ला झाड़ लिया है। विडंबना यह भी है कि बीच सड़क में स्थापित इस हैंडपंप के चारों ओर न तो कोई चबूतरा है व न ही कोई अन्य साइन बोर्ड लगा है। ग्रामीणों की माने तो इसे एक तरफ को बदला का सकता था या इसमें मोटर भी लगाई जा सकती थी।लेकिन अब यह सरकारी विभागों के आपसी तालमेल व साम्जसंय को उजागर कर रहा है। खैर, दोनों विभाग अपना अपना काम कर यहां से चलते बने हैं लेकिन अब इसका खामियाजा जनता को भुगतना होगा।

नगर निगम की वित्तीय स्वायत्तता पर कांग्रेस सरकार कर रही है कुठाराघात : कमलेश मेहता

शिमला (बी.शर्मा) : भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा सचिव एवं पार्षद कमलेश मेहता ने कहा कि कांग्रेस सरकार और नगर निगम शिमला की कार्यप्रणाली कई गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है। नगर निगम की वित्तीय स्वायत्तता को कमजोर किया जा रहा है तथा नई पोर्टल प्रणाली के माध्यम से नगर निगम के राजस्व और जनता के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर पारदर्शिता का अभाव दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम के विभिन्न करों और शुल्कों के भुगतान के लिए पूर्व में निगम की अपनी व्यवस्था और पोर्टल उपलब्ध था, लेकिन अब नई पोर्टल प्रणाली लागू किए जाने के बाद यह स्पष्ट नहीं है कि नागरिकों से प्राप्त होने वाली राशि किस प्रकार संचालित की जा रही है, उसका लेखा-जोखा क्या है और धनराशि किस खाते अथवा फंड में स्थानांतरित की जा रही है। नगर निगम प्रशासन और राज्य सरकार को इस विषय पर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कमलेश मेहता ने कहा कि नगर निगम को चलाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की भी होती है, लेकिन इसके विपरीत ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नगर निगम के माध्यम से ही सरकार अपनी वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कूड़ा शुल्क, कर एवं अन्य भुगतान भी नई व्यवस्था के माध्यम से लिए जा रहे हैं तो सरकार को यह बताना चाहिए कि इस पूरी प्रणाली का कानूनी एवं वित्तीय आधार क्या है। उन्होंने कहा कि 74वें संविधान संशोधन का उद्देश्य नगर निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करना था, ताकि वे स्थानीय स्तर पर स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। यदि नगर निगम की आय और संसाधनों पर सरकार का प्रत्यक्ष नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है, तो यह स्थानीय स्वशासन की भावना के विपरीत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पहले ही नगर निगम की आय के अनेक स्रोत सीमित कर दिए हैं। अब नई व्यवस्थाओं के माध्यम से जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। भाजपा इस पूरे मामले में पूर्ण पारदर्शिता की मांग करती है तथा नगर निगम और राज्य सरकार से आग्रह करती है कि नई पोर्टल व्यवस्था, राजस्व प्रबंधन और धनराशि के उपयोग का विस्तृत विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के हितों से जुड़े इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी और नगर निगम की वित्तीय स्वायत्तता तथा नागरिकों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए कार्यालय का शुभारम्भ किया

रेरा कार्यालय शीघ्र खोलने के दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
07 जुलाई (वंदना शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से धर्मशाला में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के नए कार्यालय का शुभारम्भ किया। यह कार्यालय कुछ समय पहले ही शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कांगड़ा जिले के लोगों को इस नई सुविधा के लिए बधाई देते हुए कहा कि कांगड़ा तथा आसपास के जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग की बड़ी आबादी निवास करती है। आयोग का कार्यालय धर्मशाला स्थानांतरित होने से लोगों को अब अपने कार्य के लिए शिमला नहीं आना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत होगी तथा आयोग की सेवाएं शीघ्रता और सरलतापूर्वक

मिलेगी। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त कांगड़ा को धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) का कार्यालय भी शीघ्र खोलने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कांगड़ा जिले को प्रदेश की पर्यटन राजधानी घोषित किया है और इसी दिशा में कई सरकारी कार्यालयों को कांगड़ा स्थानांतरित किया जा रहा है। आने वाले समय में भी अन्य सरकारी कार्यालयों को कांगड़ा जिले में स्थानांतरित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिमला जिले के डोडरा क्वार क्षेत्र को अन्य पिछड़ा वर्ग का दर्जा तथा कांगड़ा जिले के बड़ा भंगाल क्षेत्र को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इससे पूर्व, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष प्रभात चौधरी ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और आयोग का कार्यालय धर्मशाला स्थानांतरित करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से कांगड़ा तथा आसपास के जिलों के ओबीसी समुदाय के लोगों को आयोग की सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनय कुमार, विधायक सुरेश कुमार, विनोद सुल्तानपुरी एवं सुदर्शन बबलू तथा पूर्व विधायक सतपाल रायजादा शिमला में मुख्यमंत्री के साथ उपस्थित थे, जबकि आयोग के सदस्य राकेश चौधरी, अधिवक्ता कश्मीर सिंह भारती एवं राजीव राणा तथा उपायुक्त हेमराज बैरवा धर्मशाला से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्कूलों में बद्दी पुलिस का जागरूकता अभियान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, सड़क सुरक्षा एवं बाल संरक्षण की दी जानकारी

» प्रथम न्यूज । बद्दी
07 जुलाई (तारा)

नशा मुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण के उद्देश्य से बद्दी पुलिस द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महिला पुलिस थाना बद्दी की टीम द्वारा औरोबिंदो पब्लिक स्कूल, गुल्लरवाला तथा पुलिस चौकी जोधों के स्टाफ द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बरूणा में जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों के दौरान कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को चिट्टा/हेरोइन सहित अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशे से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान, सड़क सुरक्षा नियमों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व, यातायात नियमों के पालन, बाल संरक्षण तथा बाल शोषण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, कानून का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक बद्दी ने बताया कि पुलिस युवाओं को नशे एवं अपराध से दूर रखकर सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी।

अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ चलाई जा रही नीतियों व योजनाओं से लोगों को करवाया जा रहा अवगत

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 जुलाई (बी.शर्मा)

सूचना एवं जन संपर्क विभाग के अनुमोदित सांस्कृतिक दलों द्वारा जिला शिमला की विभिन्न अनुसूचित जाति बहुल ग्राम पंचायतों में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति कल्याणार्थ नीतियों व योजनाओं से लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि इन योजनाओं का लाभ उपेक्षित वर्गों को प्राप्त हो सके। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है।

साथ ही, पात्र लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। स्वर साधना कला मंच द्वारा आज ग्राम पंचायत थानाधार व ग्राम पंचायत भूटटी, जयश्वरी लोक नृत्य कला मंच द्वारा ग्राम पंचायत रामनगर व ग्राम पंचायत पुडग, शिव कल्चर ट्रूरूप हलोग धामी द्वारा मलयाणा व ग्राम पंचायत रझाणा तथा पूजा कला मंच ने ग्राम पंचायत मंढोल व कोट काइना में गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा

चलायी जा रही कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर कलाकारों ने बताया कि ऐसे अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग जिनकी वार्षिक आय 50 हज़ार रूपए से कम है को अनुवर्ती कार्यक्रम के तहत सिलाई मशीन, बढई व लोहार के कार्य के लिए औजार प्रदान किये जाते हैं और स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत अनुसूचित जाती/जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को 1 लाख 50 हजार रूपए मकान निर्माण के लिए दिए जाते हैं। इसके आलावा बीपीएल व 2 लाख रूपए की वार्षिक आय से कम परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क पीजीडीसीए/डीटीपी का एक वर्ष का कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और अंतरजातीय विवाह पुरस्कार योजना के तहत 02 लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस दौरान विकलांग छात्रवृति योजना के तहत ऐसे अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभिभावक जिनकी विकलांगता प्रतिशतता जिला विकलांगता बोर्ड द्वारा 40 प्रतिशत या इससे अधिक आंकी गई हो को 1150 रूपए प्रतिमाह एवं 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों को 1700 रूपए प्रतिमाह प्रदान किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त, कलाकारों द्वारा नशा मुक्ति, एंटी चिट्टा और सामाजिक जागरूकता पर भी विशेष बल दिया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत थानाधार की प्रधान सुचेता ठाकुर व ग्राम पंचायत भूटटी की प्रधान ऊषा, ग्राम पंचायत रामनगर के प्रधान राजेश कुमार व ग्राम पंचायत पुडग के प्रधान प्रदीप सवलेईक, ग्राम पंचायत मलयाणा के प्रधान अंकुश शर्मा, ग्राम पंचायत रझाणा के प्रधान नरेश कुमार, मंढोल के प्रधान बबलू जागटा व कोट काइना के प्रधान गोपी लाल सहित स्थानीय पंचायतवासी उपस्थित।

जनहित और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दें पंचायत प्रतिनिधि : विधायक मलेंद्र राजन

» प्रथम न्यूज । इंदौरा
07 जनवरी (दिनेश धीमान)

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा राजकीय महाविद्यालय इंदौरा में विकास खंड इंदौरा की सभी 58 ग्राम पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रधान-उपप्रधान,पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचायत कर्मियों को पंचायत प्रशासन, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कर सकें।

कार्यक्रम में विधायक मलेंद्र राजन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं तथा जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से ही विकास

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समर्पण एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर एसडीएम डॉ. सुरिंद्र ठाकुर तथा बीडीओ सुदर्शन सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायतों के प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों, अभिलेखों के रखरखाव तथा विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को वीबी -जी राम जी के अंतर्गत ग्राम सभा में पारित किए जाने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने तथा उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करने की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही, वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए पंचायतों में प्राथमिकता के आधार पर किए जाने वाले विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक प्रस्ताव समयबद्ध ढंग से तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गुलेरी जयंती के अवसर पर शिमला के गेयटी थियेटर में साहित्यक आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 जुलाई (वंदना शर्मा)

भाषा एवं संस्कृति विभाग जिला शिमला द्वारा प्रदेश की महान विभूतियों की जयंतियों का नियमित रूप से आयोजन करवाया जा रहा है ताकि उनके द्वारा अपने अपने क्षेत्र में समाज के पथ प्रदर्शन की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण योगदान का वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी को समर्थ स्मरण रहे और उनके द्वारा दर्शाए गए पथ का अनुसरण करें तथा युवा लेखकों को विभागीय गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से एक ऐसी ही विभूति बहुमुखी प्रतिभा के धनी पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी की जयंती के उपलक्ष्य पर ऐतिहासिक गेयटी थियेटर के सम्मेलन कक्ष में कवि सम्मेलन का आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी केआर भारती ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार सुदर्शन वशिष्ठ तथा हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी के माननीय सदस्य एवं संस्कृत के प्रकांड विद्वान व साहित्यकार डॉ0मस्त राम शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य साहित्यकार त्रिलोक सूर्यवंशी ने किया।

मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलन व गुलेरी को पुष्पांजली अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजक द्वारा मुख्य अतिथि, अध्यक्ष व विशिष्ट अतिथि को हिमाचली टोपी और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मूर्धन्य साहित्यकार पंडित

चंद्रधर शर्मा गुलेरी के साहित्यिक योगदान को स्मरण करना तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित कवि सम्मेलन का आगाज़ वन्दना राणा की कविता हाल जमाने दा पहाड़ी रचना से हुआ ,कवि भूप रंजन ने प्राश्चित कविता, वसुंधरा धर्माणी ने पिता बरगद है, ओम प्रकाश ने गुलेरी के जीवन के व्यक्तित्व व कृतत्व पर दोहावली प्रस्तुत की।

गुप्तेश्वत नाथ उपाध्याय ने मैं कविता लिखता हूं,उमा ठाकुर गुलेरी जयंती पर कविता, कल्पना गांगटा ने साहित्यकार व नशावृत्ति स्नेहलता नेगी ने दौर नया है, राधासिंह ने मैं स्त्री हूं में स्त्री के त्याग व समर्पण का वर्णन कियाहै। कौशल्या ठाकुर हम हिमाचली है कवि से हिमाचल की महिमता गुणगान किया, वीरेंद्र शर्मा सच केवल सच में का वर्णन किया। जगमोहन शर्मा ने अपनी रचना में हिमाचल में बढ़ते कंक्रीट के जंगल में पर्यावरण के होते हुए नुकसान की चिंता व्यक्त की । जगदीश कश्यप ने सावित्री बाई फुले रचना आमजन के लिए शिक्षा की लो पर प्रकाश डाला।

एस आर हरनोट ने कलम और पहाड़ों पर सत्ताएं रचनाओं के माध्यम से समाज में घटित होने वाली घटनाओं पर तंज किया। त्रिलोक सूर्यवंशी ने उसने कहा था कहानी के सौ वर्षों सफ़र को प्रस्तुत किया।

सरला शर्मा मां हूं पिता नहीं ,डॉ विजय लक्ष्मी नेगी ने झुकना जरूरी नहीं , आत्मरंजन ने जिद्द और कविता रचनाओं से सामाजिक व्यवस्था पर गहरा तंज किया। डॉ मस्त राम शर्मा ने संस्कृत में चण्डिका तथा पहाड़ी बोली में नठे जो गांव ते कविता में गांव से होते पलायन पर अपनी चिंता व्यक्त की।इस अवसर पर 30से अधिक कवियों ने कविता पाठ किया जिसमें सलील शमशेर, सुनील कुमार शर्मा, पूजा सूद डोगर, जया शर्मा डॉ0 जयपाल ठाकुर ने मैं आदमी खरीदता हूं तथा हंसना मना है रचना से सभी हो खूब गुदगुदाया ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सुदर्शन वशिष्ठ ने गुलेरी जी की रचनाओं और उनकी विलक्षण प्रतिभा के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा अध्यक्षीय टिप्पणी में सभी कवियों की रचनाओं की सराहना की तथा जब से गई बुआ परदेश बदलते कविता से रिश्तों के मिजाज पर तंज किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने शानदार आयोजन की सराहना की तथा गुलेरी जी के निबंध लड्डू और कछुआ धर्म पर अपनी बात रखीतथा आधी -अधूरी कहानी लहना सिंह की आपसी, जोड़ा हुआ सोना व व्यंग्य पर भी चर्चा की।

इस अवसर पर अनिल हारटा ,सहायक निदेशक भाषा एवं संस्कृति विभाग, जिला भाषा अधिकारी शिमला, सरोजना नरवाल, देवभूमि हिम कला मंच के देवेंद्र कुमार देव, शिवम ठाकुर सहित दर्जनों श्रोता भी उपस्थित रहे।

डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल ने स्थापना के 80 वर्ष पूरे होने पर लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 500 लोगों ने उठाया लाभ

» प्रथम न्यूज । अर्की
07 जुलाई (योगेश चौहान)

डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल, अर्की ने अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

शिविर में क्षेत्र के करीब 500 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई, विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया तथा नि:शुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। विद्यालय की प्रिंसिपल रीना पांटा ने बताया कि समाज सेवा की भावना से आयोजित इस शिविर में विभिन्न चिकित्सा विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। ऑर्थोपेडिक्स विभाग से डॉ. भास्कर मोहन पाटिल (एचओडी), मेडिसिन विभाग से डॉ. सर्वेश एवं डॉ. पंकज, गायनेकोलॉजी विभाग से डॉ. सानिध्य, फिजियोथेरेपी विभाग से डॉ. नितेश वर्मा, पीडियाट्रिक्स विभाग से डॉ. दिव्या राणा, नेत्र रोग विभाग से डॉ. अंतरा एवं श्रेया नारंग, जबकि ईएनटी विभाग से डॉ. आदित्य ठाकुर ने लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में सलाह प्राप्त की। स्थानीय लोगों ने विद्यालय की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होते हैं, क्योंकि उन्हें एक ही स्थान पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध हो जाती हैं।

प्रिंसिपल रीना पांटा ने स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, स्वयंसेवकों तथा स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाता रहा है और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

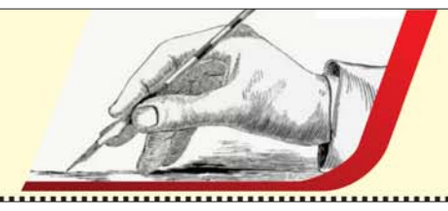

आज का

संपादकीय

एक और निर्भया : बेटी नहीं हारी, हार गया समाज

श्रीगंगानगर की घटना केवल एक बच्ची पर हुआ अत्याचार नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनाओं और व्यवस्था की असफलता का आईना है। हर नई निर्भया हमें याद दिलाती है कि केवल कड़े कानून नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक सोच में बदलाव की जरूरत है। बेटियों की सुरक्षा किसी सरकार का ही नहीं, पूरे समाज का दायित्व है। जिस दिन हर बेटी बिना भय के जी सकेगी, उसी दिन हम सच मायनों में एक सभ्य और सुरक्षित राष्ट्र कहलाने के अधिकारी होंगे।

एएम नाथ

13 साल की एक मासूम बच्ची। खेलने-कूदने और सपने देखने की उम्र। लेकिन राजस्थान के श्रीगंगानगर में उसके साथ जो हुआ, उसने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया है। कथित तौर पर अपहरण, पांच दिनों तक लगातार यौन हिंसा और कई आरोपियों द्वारा अमानवीय अत्याचार की यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि हमारे समाज, कानून-व्यवस्था और नैतिक मूल्यों पर गंभीर सवाल है। यह घटना एक बार फिर 2012 के दिल्ली के निर्भया कांड की दर्दनाक याद दिलाती है और पूछती है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित क्यों नहीं हो पाई है।

यह पहली बार नहीं है जब देश इस तरह की बर्बरता से दहल उठा हो। दिल्ली का निर्भया कांड, हैदराबाद की युवा पशु चिकित्सक के साथ हुई दरिंदगी, उत्तर प्रदेश के हाथरस की दलित युवती का मामला, कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की हत्या और यौन हिंसा का मामला, उन्नाव और कठुआ जैसे जघन्य अपराध-हर घटना के बाद देशभर में गुस्सा फूटा, कड़े कानून बनाने की मांग उठी, सरकारों ने आश्वासन दिए और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। लेकिन कुछ समय बाद समाज फिर सामान्य हो गया और अपराधियों का दुस्साहस कम होने के बजाय बढ़ता दिखाई दिया। हर नई घटना पिछले जख्मों को फिर से हरा कर देती है।

यदि श्रीगंगानगर मामले में जांच के दौरान सामने आए आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल कुछ व्यक्तियों की हैवानियत नहीं बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भयावह चेहरा है, जिसमें महिला को आज भी बराबरी का इंसान नहीं, बल्कि शोषण की वस्तु समझा जाता है। किसी मासूम को कथित तौर पर खरीदना-बेचना, अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसके साथ अत्याचार करना और कई लोगों का इस अपराध में शामिल होना बताता है कि अपराधियों के भीतर कानून का भय लगातार कम होता जा रहा है।

राजस्थान पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और अपराध में संलिप्त पाए गए होटलों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है। यह स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन केवल गिरफ्तारी या बुलडोजर चलाने से न्याय की प्रक्रिया पूरी नहीं होती। असली परीक्षा अदालत में होती है, जहां मजबूत साक्ष्य, निष्पक्ष जांच और समयबद्ध सुनवाई के आधार पर दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। यदि मुकदमे वर्षों तक चलते रहें और सजा में देरी हो, तो कानून का भय स्वत: कमजोर पड़ जाता है।

निर्भया कांड के बाद देश में कानूनों को और सख्त बनाया गया। पॉक्सो कानून को प्रभावी किया गया, फास्ट ट्रैक अदालतों का विस्तार हुआ, निर्भया फंड बनाया गया और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं शुरू की गईं। इसके बावजूद अपराधों का सिलसिला नहीं थमा। इसका अर्थ यह नहीं कि कानून कमजोर हैं, बल्कि यह है कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन में अब भी गंभीर कमियां हैं। कई मामलों में पुलिस जांच में देरी, फोरेंसिक संसाधनों की कमी, गवाहों का मुकर जाना और मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना न्याय की राह कठिन बना देता है।

इस समस्या का समाधान केवल कानून नहीं कर सकता। इसकी जड़ें समाज की सोच में हैं। परिवारों में बेटों को महिलाओं के सम्मान का संस्कार देना, विद्यालयों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा, डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार व्यवहार और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक दृष्टिकोण विकसित करना उतना ही जरूरी है जितना अपराधियों को कठोर दंड देना। जब तक पुरुष प्रधान सोच और स्त्री विरोधी मानसिकता समाप्त नहीं होगी, तब तक कानून अकेले समाज को सुरक्षित नहीं बना सकते।

मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसे टीआरपी की होड़ से ऊपर उठकर पीड़िता की गरिमा की रक्षा करनी होगी। समाज को भी यह समझना होगा कि किसी पीड़िता को दया नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और सुरक्षित पुनर्वास की आवश्यकता होती है। उसकी पहचान की गोपनीयता, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा भी न्याय का ही हिस्सा है।

हर बार किसी जघन्य अपराध के बाद मोमबत्तियां जलती हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है और सख्त कानून की मांग उठती है। लेकिन कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। यह चक्र तभी टूटेगा जब अपराधियों को शीघ्र और निश्चित सजा मिले, जांच एजेंसियां पूरी क्षमता से काम करें, न्यायपालिका समयबद्ध फैसले दे और समाज महिलाओं के प्रति अपनी सोच में वास्तविक परिवर्तन लाए।

श्रीगंगानगर की यह घटना केवल राजस्थान की नहीं, पूरे भारत की चेतावनी है। यह हमें याद दिलाती है कि विकास केवल आर्थिक आंकड़ों, ऊंची इमारतों और आधुनिक तकनीक से नहीं मापा जाता। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति इस बात से तय होती है कि वहां की बेटियां कितनी सुरक्षित हैं। यदि आज भी एक 13 वर्षीय बच्ची इस तरह की दरिंदगी का शिकार होती है, तो हमें स्वीकार करना होगा कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है।

एक और निर्भया केवल एक शीर्षक नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है। अब समय आ गया है कि संवेदनाएं केवल शब्दों तक सीमित न रहें। कानून का भय, समाज की संवेदनशीलता, प्रशासन की जवाबदेही और न्याय की निश्चितता-इन चारों का संतुलित मेल ही वह रास्ता है, जो भारत की बेटियों को वास्तविक सुरक्षा दे सकता है। वरना हर कुछ महीनों बाद कोई नया शहर, कोई नई बच्ची और एक नई निर्भया देश की अंतरात्मा को झकझोरती रहेगी।

ये दिल मांगे मोर : युवा भारत के प्रेरणास्रोत कैप्टन विक्रम बत्रा

भारत की गौरवशाली सैन्य परंपरा में अनेक ऐसे वीर योद्धा हुए हैं जिन्होंने अपने अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान से इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है। ऐसे ही महान वीरों में परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा का नाम अत्यंत सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। उनका जीवन केवल एक सैनिक की वीरगाथा नहीं है, बल्कि आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने अपने अल्प जीवन में जो साहस, नेतृत्व और त्याग का परिचय दिया, वह आज भी करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है।

कैप्टन विक्रम बत्रा का जन्म 9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ था। उनके व्यक्तित्व में देशभक्ति की भावना प्रारंभ से ही दिखाई देती थी। युवावस्था में उन्होंने सेना में जाने का निश्चय किया और इसी उद्देश्य को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया।

सेना के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी तक पहुंचाया। कठोर प्रशिक्षण के बाद 6 दिसंबर 1997 को उन्हें भारतीय सेना की 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त हुआ। सन् 1999 में जब कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर कई रणनीतिक चोटियों पर कब्जा कर लिया, तब भारत ने उन्हें खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय आरंभ किया।

यह युद्ध अत्यंत कठिन परिस्थितियों में लड़ा गया, क्योंकि दुश्मन ऊंची चोटियों पर बैठा था और भारतीय सैनिकों को सीधी चढ़ाई करते हुए मुकाबला करना पड़ रहा था। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में लेफ्टिनेंट विक्रम बत्रा की यूनिट को भी कारगिल क्षेत्र में भेजा गया।

1 जून 1999 को उन्होंने अपनी यूनिट के साथ युद्ध क्षेत्र में मोर्चा संभाला। प्रारंभिक अभियानों में उन्होंने हम्प और रॉकी नॉब जैसी महत्वपूर्ण चोटियों पर सफलता प्राप्त की। इन अभियानों में उनके साहस और नेतृत्व ने भारतीय सेना को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। उनकी असाधारण वीरता को देखते हुए उन्हें पदोन्नत कर कैप्टन बना दिया गया।

इसके बाद उन्हें कारगिल युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक चोटियों में से एक प्वाइंट 5140 को दुश्मन के कब्जे से मुक्त कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई। यह चोटी श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट स्थित थी और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थी। दुश्मन ने यहां मजबूत मोर्चेबंदी कर रखी थी, लेकिन कैप्टन विक्रम बत्रा ने अपने साथियों का मनोबल बढ़ाते हुए अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने भीषण गोलीबारी के बीच दुश्मन के ठिकानों पर हमला किया और 20 जून 1999 की सुबह लगभग 3ः30 बजे इस चोटी पर विजय प्राप्त कर ली।

प्वाइंट 5140 पर तिरंगा फहराने के बाद उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जो संदेश भेजा, वह पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया। उनका संदेश था-ये दिल मांगे मोर। यह केवल एक विजय संदेश नहीं था, बल्कि उनके अटूट आत्मविश्वास, साहस और आगे बढ़ते रहने की भावना का प्रतीक था। इस एक वाक्य ने उन्हें पूरे देश में युवाओं के आदर्श के रूप में स्थापित कर दिया।

प्वाइंट 5140 पर सफलता के बाद उन्हें एक और कठिन मिशन सौंपा गया। भारतीय सेना को प्वाइंट 4875 पर कब्जा करना था, जो दुश्मन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थिति थी। इस अभियान में भी कैप्टन विक्रम बत्रा ने अग्रिम पंक्ति में रहकर नेतृत्व किया। उन्होंने अपने साथियों के साथ दुश्मन के ठिकानों पर धावा बोला और अनेक शत्रु सैनिकों को मार गिराया। युद्ध के दौरान उनकी वीरता और रणनीतिक कौशल का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।

युद्ध के दौरान जब उनके एक साथी अधिकारी घायल हो गए और दुश्मन लगातार उन पर गोलियां बरसा रहा था, तब कैप्टन विक्रम बत्रा ने अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें बचाने का निर्णय लिया। वे घायल साथी को सुरक्षित स्थान पर लाने के लिए आगे बढ़े। इसी दौरान दुश्मन की गोली उनके सीने में लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने जय माता दी का उद्घोष किया और मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए। 7 जुलाई 1999 को उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

उनकी वीरता, अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से अलंकृत किया। 15 अगस्त 1999 को यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया।

आज कैप्टन विक्रम बत्रा का जीवन नई पीढ़ी के लिए एक आदर्श पाठशाला है। वर्तमान समय में जब युवा वर्ग अनेक चुनौतियों और आकर्षणों के बीच अपने जीवन की दिशा तय कर रहा है, तब विक्रम बत्रा का जीवन उन्हें सही मार्ग दिखाता है। उनका व्यक्तित्व युवाओं को साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व का संदेश देता है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में कभी हार नहीं मानी और हर चुनौती का डटकर सामना किया। आज के युवाओं को उनसे यह सीख लेनी चाहिए कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो जोखिम उठाने और कठिनाइयों से संघर्ष करने का साहस रखते हैं। उनका जीवन यह भी बताता है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो अपने साथियों को प्रेरित करे और आवश्यकता पड़ने पर स्वयं सबसे आगे खड़ा हो।

कैप्टन विक्रम बत्रा की देशभक्ति आज भी युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देती है। उन्होंने अपने कर्तव्य को व्यक्तिगत जीवन से ऊपर रखा और राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह भावना आज के युवाओं में भी विकसित होनी चाहिए, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ देश के विकास में योगदान दे सकें।

हिमाचल प्रदेश की वीर भूमि ने देश को अनेक वीर सैनिक दिए हैं, लेकिन कैप्टन विक्रम बत्रा का नाम विशेष सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल हिमाचल के नहीं, बल्कि पूरे भारत के गौरव हैं। उनका जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि दृढ़ संकल्प, साहस और देशप्रेम के बल पर कोई भी व्यक्ति असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। अंततः कहा जा सकता है कि कैप्टन विक्रम बत्रा केवल एक सैनिक नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, साहस और बलिदान की अमर गाथा हैं। उनका जीवन और शहादत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। जब भी देशभक्ति, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा की बात होगी, कैप्टन विक्रम बत्रा का नाम स्वर्ण अक्षरों में स्मरण किया जाएगा। राष्ट्र उनके बलिदान को सदैव नमन करता रहेगा और युवा पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक सशक्त, जागरूक और राष्ट्रनिष्ठ भारत के निर्माण में अपना योगदान देती रहेगी।

डॉ. अवनीश कुमार
सह-प्रोफ़ैसर

खुदगर्ज बन गया आधुनिक इंसान?

आधुनिक इंसान खुदगर्ज बनता जा रहा हैं स्वार्थ के कारण अंधा हो चूका हैं द्यनिस्वार्थ भाव से जो आपकों समय दे रहा है उसकी कद्र कीजिए ।वक्त सबका कीमती होता है एक एक मिनट की कीमत होती है। आधुनिक युग में अक्सर देखा गया है कि जो व्यकित सबके लिए समय देता है मुसीबत के समय उस व्यक्ति के लिए कोई समय नहीं देता ।कुछ लोग उपेक्षित करते हैं तब बहुत दुख होता है कि जो कभी किसी के काम को इंकार नहीं करता व्यस्तता के बाबजूद भी समय देता है ऐसे लोग बिरले ही मिलते है ।मुफत का खाने वाले हजारों मिल जाते हैं लेकिन साथ निभाने वाला एक ही काफी होता है। कितनी भी चालाकियां कर लो गिरगिटो वक्त हिसाब जरुर मांगेंगा तब तुम पछताओगे दया की भीख मागोगें मगर तब तक पाप का धड़ा भर चुका होगा ।दया, दुआ काम नहीं आएगी क्योकि आपने कर्म ही ऐसे किए है कि माफी के लायक नहीं है ।निजि स्वार्थो की खतिर दूसरों की बलि दी है ।खुदगर्जी के लिए सपनों को रौंदा है ।जीवन को नरक व भविष्य को अंधकार बनाया है। किसी को अंधेरें में रखेगें तो एक समय ऐसा आएगा कि अंधेरे में दिखना शुरु हो जाएगा ।यह एक सच्चाई है ।गिरगिटो चालाकियों की उम्र ज्यादा नहीं होती। कब तक चालाकियां करोगे। प्रतिभा को कोई नहीं दबा सकता ।प्रतिभा किसी की मोहजात नहीं होती ।कितने रास्ते बंद करोगे ।हम तो दरिया है हमें अपना हुनर मालूम है जिस तरफ भी चल पड़ेगें रास्ता हो जाएगा ।गिरगिटो दरिया को रोकने की कोशिश मत करना अगर दरिया ने अपना रौद्र रुप दिख दिया उस दिन तुम्हारा नामोनिशान मिट जाएगा ।वजूद नेस्तनाबूद हो जाएगा धराशायी हो जाओगे ।हम सच्चे व इरादों के पक्के इंसान है चंद कागज के टुकड़ों चमक व चांदी की सिक्कों की खनक के आगे अपना ईमान गिरवी नहीं रख सकते। गिरगिटों अपने नीच कर्मो को सुधारो ताकि समाज में एक नए युग का सूत्रपात हो सके ।अगर कर्म नहीं सुधारे तो भगवान तुम्हे मिटटी में मिला देगा। स्वाभिमान हमारा श्रृंगार है ।कर्म ही पुजा है ।हम ईमानदारी से अपना कर्म कर रहे है ईमान की रोटी कमाते है ।मेहनत करके पसीना बहाते है ।आधुनिक युग का गिरगिट इंसान दूसरों को अंधेरे में रखकर लोमड़ी की तरह चालाक बनने की कोशिश करता आज भले ही तुम रिश्वत व तलवे चाटकर सफल हो चुके हो मगर एक दिन तुम्हे औकात दिखा देगें कि तुम्हारी असलियत क्या है ।आज तुम उपदेश देते हो ।अतीत भूल गए ।अतीत की परछाईयां मरते दम तक नहीं छोडेगी क्योकि कर्मो की सजा जरुर मिलेगी ।नैतिकता का पाठ पढाते हो और अनैतिक कर्म करते हो। समय बलवान है भगवान सजा जरुर देगा ।आज अपनों को पहचानने से कतराते हो ।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं ।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए ।भूखे को रोटी खिलाओं, जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है ।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है ।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए ।ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

जवाबदेही की जरूरत

डिजिटल मीडिया कंपनियों मेटा और गूगल की ओर से जिस तरह यह कहा गया कि उनके लिए विवादित सामग्री की निगरानी करना संभव नहीं, वह एक तरह से जवाबदेही से बचने का बहाना ही है। यह पहली बार नहीं है, जब स्वयं को सोशल मीडिया कहने वाली कंपनियों ने फर्जी, भ्रमित करने, अफवाह, उत्तेजना और वैमनस्य फैलाने वाली खबरों की निगरानी करने के मामले में अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की हो। वे ऐसी कोशिश लगातार करती चली आ रही हैं।

यही कारण है कि दुनिया भर के अनेक देशों को उन्हें जवाबदेह बनाने के लिए तरह-तरह के कदम उठाने पड़ रहे हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि येन-केन-प्रकारेण अधिक से अधिक लोगों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने और पैसा कमाने के लिए डिजिटल मीडिया माध्यम ऐसे तौर-तरीके अपना रहे हैं, जिसके चलते वे बेलगाम हो रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि डिजिटल मीडिया कंपनियां नियंत्रण से बाहर हो रही हैं, बल्कि यह भी है कि वे लोगों को लती बनाने के साथ उन्हें और विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रही हैं।

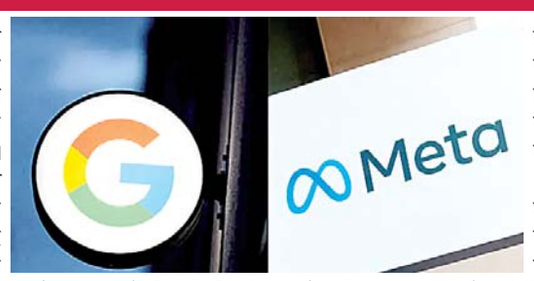

यही कारण है कि एक के बाद एक देश ऐसे कानून बनाने को बाध्य हो रहे हैं जिससे किशोरवय के लोग उनका उपयोग न कर सकें। चिंता की बात यह भी है कि डिजिटल मीडिया कंपनियां अश्लील एवं आपत्तिजनक सामग्री को बढ़ावा देने में लगी हुई हैं। अभी पिछले दिनों ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंस्टाग्राम के स्वामित्व वाली कंपनी मेटा को ऐसे सभी विज्ञापन एवं अन्य सामग्री हटाने का आदेश दिया था, जो यौन शोषण को बढ़ावा देती है।

इसी तरह कुछ दिन पहले टेलीग्राम को इसके लिए नोटिस दिया गया कि वह अपने प्लेटफार्म से पायरेटेड फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के प्रसार को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से कदम उठाए।

टेलीग्राम लंबे समय से पायरेसी को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। यह वही इंटरनेट प्लेटफार्म है जिस पर कुछ दिनों पहले इसलिए अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाना पड़ा था, क्योंकि उससे मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट के प्रश्नपत्र लीक होने का खतरा पैदा हो गया था।

इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अपराधी एवं आतंकी तत्व भी डिजिटल प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। भले ही डिजिटल मीडिया कंपनियां यह दावा करती रहती हों कि वे नकारात्मक एवं आपत्तिजनक सामग्री की छानबीन करने और उन पर रोक लगाने के लिए सचेत हैं, लेकिन वस्तुस्थिति इससे विपरीत है।

इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि डिजिटल मीडिया कंपनियों को जबाबदेह बनाने के लिए हरसंभव उपाय किए जाएं। उन्हें जवाबदेही के दायरे में लाना ही होगा, क्योंकि अब वे एआइ का भी बेजा इस्तेमाल कर रही हैं।

आरक्षण : बहस का नहीं, सामाजिक न्याय का प्रश्न

भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसने हजारों वर्षों की विविधताओं, संघर्षों और सामाजिक जटिलताओं के बीच लोकतंत्र की एक मजबूत और समावेशी व्यवस्था विकसित की है। इस लोकतंत्र की नींव केवल चुनावों पर नहीं, बल्कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे उन मूल्यों पर आधारित है जिन्हें भारतीय संविधान ने प्रत्येक नागरिक का अधिकार माना है। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि संविधान निर्माण के समय भारतीय समाज अवसरों की दृष्टि से समान नहीं था। कुछ वर्गों को शिक्षा, सम्मान, संसाधनों और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी से लंबे समय तक व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया था। ऐसे में संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि केवल समान अधिकार घोषित कर देने से वास्तविक समानता स्थापित नहीं होगी।

इसी सोच से आरक्षण की अवधारणा भारतीय लोकतंत्र का हिस्सा बनी। आरक्षण को दया, कृपा या विशेष अनुग्रह के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह उन ऐतिहासिक असमानताओं को कम करने का संवैधानिक प्रयास है जिन्होंने करोड़ों लोगों की संभावनाओं को सीमित कर दिया था। इसका उद्देश्य किसी को नीचे गिराना नहीं, बल्कि उन लोगों को ऊपर उठाना था जिन्हें व्यवस्था ने लंबे समय तक पीछे रखा।

भारतीय संविधान ने सामाजिक न्याय को केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि राज्य का दायित्व बनाया है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की स्थापना का संकल्प लेती है। इसी उद्देश्य से अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 15(4) और 15(5) सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देते हैं, जबकि अनुच्छेद 16(4) सरकारी सेवाओं में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है और अनुच्छेद 46 कमजोर वर्गों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को बढ़ावा देने का निर्देश देता है।

केंद्र सरकार की सीधी भर्ती में सामान्यत: अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिए 7.5 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। राज्यों में यह व्यवस्था उनकी सामाजिक परिस्थितियों और कानूनों के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

आरक्षण का उद्देश्य किसी समुदाय को विशेषाधिकार देना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। यह प्रतिस्पर्धा समाप्त करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि ऐसी प्रतिस्पर्धा का आधार तैयार करने का प्रयास है जिसमें सभी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। इसलिए आरक्षण पर चर्चा करते समय केवल परीक्षा परिणामों या चयन सूचियों को देखना पर्याप्त नहीं है। हमें उन परिवारों को भी देखना होगा जहाँ आज भी पहली पीढ़ी शिक्षा प्राप्त कर रही है और जहाँ संसाधनों की कमी तथा सामाजिक बाधाएँ अब भी वास्तविकता हैं।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

पिछले कुछ दशकों में आरक्षण ने लाखों परिवारों का जीवन बदला है। अनेक लोग जो कभी शिक्षा और प्रशासन की मुख्यधारा से बाहर थे, आज डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, न्यायाधीश, प्रोफेसर और प्रशासनिक अधिकारी बने हैं। यह केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सफलता है। जब समाज का प्रत्येक वर्ग निर्णय लेने वाली संस्थाओं में प्रतिनिधित्व प्राप्त करता है, तभी लोकतंत्र वास्तव में समावेशी बनता है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की तरह आरक्षण व्यवस्था पर समय-समय पर समीक्षा और सुधार की चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। यदि कहीं क्रियान्वयन में कमियाँ हैं, शिक्षा की गुणवत्ता कमजोर है या अवसरों की कमी है, तो उन पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। लेकिन सुधार का अर्थ व्यवस्था को समाप्त करना नहीं होता। किसी पुल में दरार आने पर पुल को तोड़ा नहीं जाता, बल्कि उसे मजबूत किया जाता है।

आज सोशल मीडिया के दौर में आरक्षण पर संवाद की जगह अक्सर आरोप और भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ ले लेती हैं। लोग पूरे विषय को केवल एक परीक्षा या चयन सूची के आधार पर देखने लगते हैं, जिससे समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो समानता और गुणवत्ता दोनों चाहता है, उसे इनके बीच संतुलन स्थापित करना होगा।

यह भी समझना होगा कि प्रतिभा किसी जाति की बपौती नहीं होती। प्रतिभा हर घर में जन्म लेती है। अंतर केवल अवसरों का होता है। यदि किसी बच्चे को अच्छी शिक्षा, पोषण, सुरक्षित वातावरण और प्रोत्साहन मिले तो वह अपनी क्षमता का पूर्ण विकास कर सकता है। लेकिन यदि जन्म से ही उसके सामने अनेक सामाजिक और आर्थिक बाधाएँ हों, तो उसकी प्रतिभा का विकास कठिन हो जाता है। इसलिए अवसरों की समानता प्रतिभा के सम्मान की पहली शर्त है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है। लेकिन विविधता तभी शक्ति बनती है जब उसके साथ सम्मान जुड़ा हो। यदि समाज का कोई वर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस करे तो लोकतंत्र कमजोर होता है। इसलिए सामाजिक न्याय केवल लाभ प्राप्त करने वाले वर्ग का विषय नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की स्थिरता और प्रगति का प्रश्न है।

साथ ही यह भी सत्य है कि केवल आरक्षण से सभी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और रोजगार सृजन पर समान रूप से ध्यान देना होगा। तभी सामाजिक न्याय का उद्देश्य व्यापक रूप से पूरा हो सकेगा। आरक्षण को केवल प्रशासनिक नीति के रूप में नहीं, बल्कि मानव गरिमा और संवैधानिक मूल्यों के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। यह किसी वर्ग की जीत या हार का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक परिपक्वता की परीक्षा है। सच्चा लोकतंत्र वही है जहाँ अवसर जन्म से नहीं, योग्यता से तय हों; सम्मान उपनाम से नहीं, चरित्र से मिले; और न्याय प्रत्येक नागरिक का स्वाभाविक अधिकार बन जाए। तभी संविधान की आत्मा संतुष्ट होगी और भारत की लोकतांत्रिक यात्रा अपने वास्तविक लक्ष्य के और निकट पहुँचेगी।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 7 जुलाई (मुकेश डोलिया)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि ऐसी मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है जहां प्रतिभा को अवसर, परिश्रम को सम्मान और युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने का विश्वास मिले। उन्होंने कहा कि सरकार खेल शक्ति को विकसित भारत की मजबूत नींव बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पंचकूला स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के ऑडिटोरियम में आयोजित नकद पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 198 खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। इसमें विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं के 117 खिलाड़ियों को 13.75 करोड़ रुपये, पैरा एशियन खेल 2022 के तीन खिलाड़ियों को 2.32 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय स्तर के 78 खिलाड़ियों को 4.52 करोड़ रुपये दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले लगभग 12 वर्षों में प्रदेश के 16,984 खिलाड़ियों को 709 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जा चुकी है, जो आज की राशि सहित लगभग 730 करोड़ रुपये हो जाती है। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि पदक जीतने के पीछे वर्षों की मेहनत, अनुशासन और संघर्ष छिपा होता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का देश की आबादी में हिस्सा लगभग दो प्रतिशत है, लेकिन भारत के लिए जीते गए पदकों में राज्य का योगदान एक-तिहाई से अधिक है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2,000 खेल नर्सरियां स्थापित की हैं, खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति और खेल अकादमियों में डाइट मनी प्रदान की जा रही है। साथ ही खेल विभाग का बजट 163 करोड़ रुपये से बढ़कर 668 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

1 लाख का इनामी बदमाश आसिफ उर्फ विक्की छैमार पुलिस मुठभेड़ में ढेर

चंडीगढ (पुनीत महाजन): नोएडा/अंबेडकरनगर नोएडा एसटीएफ और अंबेडकरनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उत्तर प्रदेश का 1 लाख रुपये का इनामी कुख्यात अपराधी आसिफ उर्फ विक्की छैमार पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार थाना बिवाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आसिफ उर्फ विक्की छैमार लंबे समय से पुलिस की वांछित सूची में शामिल था। उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में डकैती, हत्या सहित 21 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वह जौनपुर के चर्चित डबल मर्डर और कई सनसनीखेज डकैती की वारदातों में भी वांछित था।

पुलिस के अनुसार आरोपी अपने गिरोह के साथ घरों में लोगों को बंधक बनाकर डकैती की घटनाओं को अंजाम देता था और विरोध करने पर हत्या करने से भी नहीं हिचकता था। उसकी गिरफ्तारी के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने 1 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने 32 बोर की एक पिस्टल, 12 बोर की एक पौनिया (देसी बंदूक), भारी मात्रा में कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से वर्षों से फरार एक कुख्यात अपराधी का अंत हुआ है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाबा मक्खन शाह लबाना एवं बाबा लक्खी शाह बंजारा का जीवन त्याग, सेवा और समर्पण की अमर गाथा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने पेहवा में मक्खन शाह लुबाना धर्मशाला और दतौली के सामुदायिक केंद्र के लिए दिए 31-31 लाख रुपये

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा मक्खन शाह लुबाना और बाबा लक्खी शाह बंजारा केवल दो नाम नहीं, बल्कि सिख इतिहास और भारतीय इतिहास के दो अमर अध्याय हैं। उन्होंने त्याग को धर्म, सेवा को संस्कार और बलिदान को अपनी पहचान बनाया। ऐसी दोनों महान विभूतियों के चरणों में वे श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को संत कबीर कुटीर में आयोजित संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत बाबा मक्खन शाह लुबाना जी एवं बाबा लक्खी शाह बंजारा जी के राज्य स्तरीय जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्मृति चिह्न और सरोपा भेंट करके समाज के प्रबुद्धजनों ने स्वागत भी किया।

कार्यक्रम के दौरान बंजारा समाज के प्रतिनिधियों ने 6 मांगों से संबंधित मांग पत्र भी सौंपा। जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों को पूरा किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि पेहवा में मक्खन शाह लुबाना धर्मशाला के लिए दी गई जमीन से संबंधित कार्रवाई तेजी से पूरी हो जाएगी, वहां निर्माण इत्यादि के लिए भी मुख्यमंत्री ने 31 लाख रुपये की राशि भी दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने दतौली गांव में सामुदायिक केंद्र बनाने की घोषणा भी की, इसके लिए 31 लाख रुपये भी दिए गए। उन्होंने बाबा मक्खन शाह लुबाना के नाम पर किसी संस्थान का नाम रखे जाने की बात की भी कही।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि महापुरुष किसी एक जाति, पंथ या समाज के नहीं होते, बल्कि पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। उनके विचार, संस्कार और इतिहास केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि नए भारत और नए युग की प्रेरणा हैं। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना शुरू की है, ताकि उनके आदर्श और संदेश आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि लंबे समय के बाद हरियाणा में ऐसी सरकार बनी है, जिसने महापुरुषों को सम्मान देने का कार्य किया है, ताकि नई पीढ़ी उनके त्याग, तपस्या और कुर्बानियों के इतिहास को जान सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा मक्खन शाह लुबाना जी का जन्म वर्ष 1619 में भाई दासा जी लुबाना के घर हुआ था। उन्होंने कहा कि जब मुगल शासन के अत्याचार चरम पर थे और नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने धर्म की रक्षा के लिए चांदनी चौक में अपना बलिदान दिया, तब भय के वातावरण में कोई भी उनके पार्थिव शरीर को स्पर्श करने का साहस नहीं कर रहा था। ऐसे समय में भाई लक्खी शाह बंजारा और उनके पुत्र निगाहिया आगे आए। वे गुरु साहिब के पार्थिव शरीर को अपने घर लेकर गए और सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करने के लिए अपना घर ही अग्नि को समर्पित कर दिया।

आज दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब उनके इसी महान बलिदान का साक्षी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजारा-लबाना समाज ने सदियों तक देश की अर्थव्यवस्था को गति दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट बनाकर इस समाज को जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया था। आजादी के बाद अयंगर समिति की सिफारिश पर 31 अगस्त, 1952 को इस कलंक को समाप्त किया गया। इसी कारण 31 अगस्त को विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सरकार द्वारा अंत्योदय के सिद्धांत पर किया जा रहा है कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा मक्खन शाह और बाबा लक्खी शाह का जीवन सेवा, समानता और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ प्रदेश सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र के माध्यम से प्रत्येक परिवार को पहचान दी गई है। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 14 शहरों में 15,250 परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत 6,300 परिवारों को 100-100 गज के प्लॉट तथा घर निर्माण के लिए एक-एक लाख रुपये की सहायता दी गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख 56 हजार गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ. भीमराव आंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के अंतर्गत सहायता राशि 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये की गई है तथा अब तक 85,815 परिवारों को 416 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत 55 हजार से अधिक जरूरतमंदों को स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया है। दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के माध्यम से परिवार के कमाने वाले सदस्य की मृत्यु होने पर 74,245 परिवारों को 2,800 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इसके अलावा 13 लाख 43 हजार परिवारों को प्रतिमाह 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्यार्थियों को 12वीं तक मुफ्त किताबें, वर्दी और स्टेशनरी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग के साथ-साथ डॉ. आंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत 8 हजार से 12 हजार रुपये तक की वार्षिक छात्रवृत्ति भी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं और प्रयासों का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने आह्वान किया कि बाबा मक्खन शाह लुबाना और बाबा लक्खी शाह बंजारा की सेवा, सत्यनिष्ठा, समर्पण और बलिदान की भावना को अपने जीवन में अपनाएं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनियां में भारत का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश भी भाह्वह्यवहीं है, यह अधिकारी भी वहीं है। बस, मोदी ने काम करने की सोच के साथ देश को आगे बढ़ाते हुए व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया है।

इस दौरान बंजारा समाज के पुरोहित श्री हुकुम सिंह, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद पांडुरंग, प्रदेशाध्यक्ष सूबेदार मेजर श्री किशोरी लाल, डीएनटी बोर्ड चेयरमैन सरदार जसमेर सिंह बंजारा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, श्री विवेक कालिया, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री मनीष लोहान, महामंत्री श्री पवन कुमार, उपाध्यक्ष सूबेदार जगदीश सिंह, सोनीपत जिलाध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह, बाबा मक्खन शाह लुबाना भवन सोसायटी पेहवा के चेयरमैन सरदार मनजीत सिंह, वाइस चेयरमैन सरदार अवतार सिंह, श्री रघुबीर सिंह मोरथली, कलसा कुरुक्षेत्र के सरपंच सरदार अमरीक सिंह, जिप चेयरमैन सरदार मक्खन सिंह सहित प्रदेश के कोने-कोने से आए लुबाना और बंजारा समाज के मौजिज लोग मौजूद थे

14 जुलाई से पहले एसआईआर के कार्य को पूरा करवाएं सुपरवाइजर : अनुभव मेहता

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जुलाई (बृज मोहन)

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य को 14 जुलाई तक पूरा किया जाना है। इस कार्य को सभी सुपरवाइजर समयबद्ध तरीके से पूरा करवाने के लिए अपने-अपने बूथों के बीएलओ के साथ संपर्क में रहें। लाडवा विधानसभा में एन्यूमरेशन फार्म बांटने का कार्य लगभग पूरा चुका है। अब एन्यूमरेशन फार्म को भरकर जमा करवाया जा रहा है।

एसडीएम अनुभव मेहता अपने कार्यालय में सभी सुपरवाइजरों के साथ आयोजित बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सुपरवाइजरों का एसआईआर को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा में 217 बीएलओ एसआईआर का कार्य कर रहे हैं, 22 सुपरवाइजर बीएलओ के कार्य को सुपरवाइज कर रहे हैं। बीएलओ ने 197903 मतदाताओं में से 196250 को एन्यूमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। अब तक 141768 मतदाताओं यानी 71.64 प्रतिशत का एन्यूमरेशन फार्म का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने अपने बूथ के मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म को जमा करवा रहे हैं।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि 21 जुलाई 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित किया जाएगा। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं होता है तो वह 21 जुलाई से 20 अगस्त 2026 तक चलने वाली दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र तथा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर अपने बीएलओ, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) कार्यालय में जमा कर सकता है। इसके अलावा एनवीएसपी पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आमजन की जानकारी के लिए सीईओ हरियाणा तथा डीईओ कुरुक्षेत्र की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से मतदाता सूची से न हटे। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई 2026 की क्वालिफाइंग तिथि के अनुसार पात्र नए मतदाता भी इस अवधि में अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं।

वहीं जिन मतदाताओं को अपने नाम, पता या अन्य विवरण में संशोधन अथवा निर्वाचन क्षेत्र के भीतर स्थानांतरण करवाना है, वे फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने लाडवा विधानसभा के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपना गणना प्रपत्र सही ढंग से भरकर शीघ्र अपने संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान समयबद्ध ढंग से पूरा हो सके और कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

सी.एल. अग्रवाल डी.ए.वी. मॉडल स्कूल में आम मेले ने बिखेरी मिठास, सीख और हरित चेतना

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जुलाई (पुनित महाजन)

चंडीगढ़ में आयोजित आम मेला रंगों, रचनात्मकता, ज्ञान और पर्यावरण चेतना का अद्भुत संगम बनकर उभरा। विद्यालय परिसर बच्चों की हंसी, उत्साह और उल्लास से गूंज उठा, जहाँ नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को फलों के राजा आम के उत्सव में बदल दिया। इस अवसर पर महेशिन्दर सिंह सिद्धू, क्षेत्रीय पार्षद, नगर निगम, चंडीगढ़ तथा एन. के. झींगन, सचिव, द एनवायरमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया, और भारतीय एकता मंच पर्यावरण सेक्रेटरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यालय द्वारा अनुभवात्मक शिक्षा को पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जोड़ने की इस अनूठी पहल की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण से किया गया, जो प्रकृति संरक्षण और हरित एवं स्वस्थ भविष्य के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बना। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि फलदार वृक्षों का रोपण एवं संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नर्सरी से कक्षा तृतीय तक के नन्हे विद्यार्थियों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ रहीं। पीले रंग की मनोहारी वेशभूषा में सजे बच्चे मानो छोटे-छोटे आम प्रतीत हो रहे थे। बच्चों ने कविताओं, गीतों तथा रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से आम के पोषण मूल्य, सांस्कृतिक महत्व और विभिन्न किस्मों की जानकारी बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत की। उनकी मासूम अदाएँ, आत्मविश्वास और उत्साह ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा तथा शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा, संस्कृति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाने का आह्वान किया।

विद्यालय की प्राचार्या ज्योतिका आहूजा ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आम मेला जैसे आयोजन बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, स्वस्थ खान-पान की आदतें, भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान तथा पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों का विकास करते हैं। इस अवसर पर राकेश शर्मा, चांदनी शर्मा, रोहन (युवा समाजसेवी), अंजलि कपूर, द एनवायरमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से आए सोसायटी के प्रशिक्षु (इंटर्न), विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन आम भोज के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अतिथियों ने विभिन्न स्वादिष्ट आमों का आनंद लिया। इस मधुर आयोजन ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेरते हुए यह संदेश दिया कि प्रकृति की रक्षा करना उतना ही सुखद और आवश्यक है, जितना उसके मीठे फलों का आनंद लेना।

नई दिल्ली में रवांडा गणराज्य के उच्चायोग ने एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में रवांडा मुक्ति दिवस (क्विबोहोरा 32) की 32वीं वर्षगांठ मनाई

भारत में रवांडा की उच्चायुक्त, सुश्री जैकलिन मुकनगिरा ने रवांडा के इतिहास पर प्रकाश डाला

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जुलाई (मुकेश डोलिया)

नई दिल्ली में रवांडा गणराज्य के उच्चायोग ने एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के साथ रवांडा मुक्ति दिवस (क्विबोहोरा32) की 32वीं वर्षगांठ मनाई, जिसमें रवांडा की लचीलापन, राष्ट्रीय नवीनीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार की यात्रा पर प्रकाश डाला गया।

इस उत्सव में भारत सरकार के अधिकारियों सहित लगभग 1,000 प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हुए; 140 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले मिशन प्रमुखों, राजनयिकों और रक्षा अताशे सहित राजनयिक कोर के सदस्य; रवांडा के रक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल दूसरी रवांडा-भारत संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) में भाग लेने के लिए वर्तमान में नई दिल्ली में है; व्यापार के नायक; विद्वान; मीडिया पेशेवर; नागरिक समाज के प्रतिनिधि; रवांडा के मित्र; और भारत में रहने वाले रवांडा समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में रवांडा में भारतीय निवेशकों, श्री फ्रेडी विनय और डॉ. सौरभ सिंघल द्वारा रवांडा में व्यापार और निवेश के अवसरों पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत की गईं; साथ ही रवांडा के मित्र श्री रोमित शाह भी। वक्ताओं ने रवांडा के अनुकूल कारोबारी माहौल और निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला, देश को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में रेखांकित किया।अपनी टिप्पणी में, भारत में रवांडा की उच्चायुक्त, सुश्री जैकलिन मुकनगिरा ने रवांडा के इतिहास पर प्रकाश डाला, जो औपनिवेशिक विभाजन, भेदभावपूर्ण शासन और तुत्सी के खिलाफ 1994 के नरसंहार की विशेषता है। उन्होंने रवांडा

देशभक्ति सेना (आरपीए) के पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके बलिदानों ने शांति, एकता और राष्ट्रीय गरिमा बहाल की।

सुश्री मुकनगिरा ने उल्लेख किया कि 4 जुलाई 1994 की मुक्ति विजय ने रवांडा

की संप्रभुता को बहाल करने और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की नींव रखने में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित किया। उन्होंने महामहिम के नेतृत्व की सराहना की। रवांडा गणराज्य के राष्ट्रपति पॉल कागामे, जिन्होंने न केवल मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया, बल्कि देश को प्रगति के एक नए मार्ग की ओर भी निर्देशित किया।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत नगर निगम निधि में हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं : विवेक शर्मा

शिमला (बी. शर्मा): भाजपा प्रदेश सह संयोजक चुनाव प्रकोष्ठ एवं पूर्व नगर निगम पार्षद विवेक शर्मा ने नगर निगमों की वित्तीय व्यवस्था को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को नगर निगमों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करना चाहिए, न कि उनकी निधि पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास। विवेक शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 69, धारा 78 (Municipal Fund) तथा धारा 79 (Custody and Investment of Municipal Fund) के प्रावधानों के अनुसार नगर निगम द्वारा लगाए और वसूले जाने वाले कर, शुल्क, फीस तथा अन्य प्राप्तियां नगर निगम निधि (Municipal Fund) का हिस्सा होती हैं।

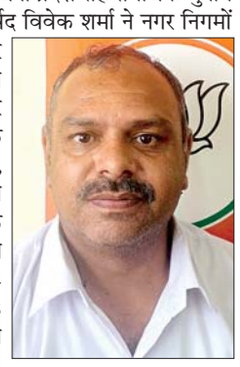

इस निधि का उपयोग नगर निगम के विकास कार्यों, कर्मचारियों के वेतन, नागरिक सुविधाओं तथा अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि नगर निगम की आय को उसके निर्धारित नगर निगम फंड में जमा कराने के बजाय सरकार अपने खाते में जमा कराने का प्रयास करती है, तो यह स्थानीय निकायों की वित्तीय स्वायत्तता और नगर निगम अधिनियम की मूल भावना के विपरीत होगा। सरकार का दायित्व नगर निगमों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, न कि उनके वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करना। विवेक शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वयं नगर निगमों को अनुदान देकर उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत करे ताकि शहरों में विकास कार्य प्रभावित न हों।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान परिस्थितियों से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार नगर निगमों के संसाधनों का उपयोग अपने वित्तीय प्रबंधन के लिए करना चाहती है, जबकि स्थानीय निकायों की निधि केवल अधिनियम में निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही उपयोग की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 के प्रावधानों का पूर्ण पालन करते हुए नगर निगमों की वित्तीय स्वायत्तता और अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने सराहन में पंचायत प्रतिनिधियों से की भेंट, सुनीं जन समस्याएं

सराहन (वंदन शर्मा): राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज सराहन स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भेंट कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान बागवानी विभाग के अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों को विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही दवाइयों, उनके उपयोग, उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा बागवानों को बाजार मूल्य की तुलना में रियायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही हैं, ताकि उनकी उत्पादन लागत कम हो तथा उन्हें बेहतर लाभ प्राप्त हो सके। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों एवं बागवानों के हितों के संरक्षण तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से जन शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उप निदेशक बागवानी डॉ. सुदर्शना नेगी, सहायक आयुक्त (राजस्व) एवं तहसीलदार रामपुर योगेश कुमार, एसएमएस बागवानी रामपुर संजय कुमार चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरलोग बाजार में लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्र का विशेषज्ञ टीम ने किया निरीक्षण, तैयार होगी विस्तृत रिपोर्ट

बिलासपुर (धर्मपाल)- जिला बिलासपुर के हरलोग बाजार में हुए भूस्खलन (लैंडस्लाइड) प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए शिमला से विशेषज्ञों की टीम पहुंची। टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया और भूस्खलन से हुए नुकसान के साथ-साथ भविष्य में संभावित जोखिमों का भी आकलन किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। लोगों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा स्थायी समाधान की मांग टीम के समक्ष रखी। टीम के अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के आधार पर विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे संबंधित विभाग और प्रशासन को सौंपा जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षा एवं संरक्षण कार्यों की रूपरेखा तय की जाएगी।

इसके अलावा शिमला से आई विशेषज्ञ टीम ने हरलोग बाजार के लिए एक जनरल एक्शन प्लान भी तैयार किया है, ताकि भविष्य में इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। प्रशासन का कहना है कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में 33/11 केवी विद्युत उप-केन्द्र का शुभारम्भ किया

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जुलाई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश सचिवालय से 7.54 करोड़ रुपये की लागत से हमीरपुर जिले के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में निर्मित 33/11 के.वी. विद्युत उप-केन्द्र पटलांदर (अंसला) का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि इस परियोजना के तहत चबुतरा से अंसला तक लगभग 7.2 किलोमीटर लंबी 33 के.वी. एच.टी.एस.सी. लाइन बिछाई गई है, जिससे उप-केन्द्र को सुदृढ़ एवं निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इससे सुजानपुर क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों-पटलांदर, रंगर, चौरी, अंसला, भगोल, चमियाना, दुहाक, सौद, भटेरा, पनोह, धैल, जियार कसीरी, पीपल, टिक्करु, सपाहल तथा आसपास के क्षेत्रों के लगभग 14,000 लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं निरंतर विद्युत आपूर्ति का लाभ प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि इस विद्युत उप-केन्द्र से 11 के.वी. कोट चौरी, सुजानपुर, पटलांदर तथा पलाई फीडरों को विद्युत आपूर्ति प्रदान की जाएगी। वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था के लिए इस उप-केन्द्र को 33 के.वी. विद्युत उप-केन्द्र टौणी देवी तथा 33 के.वी. विद्युत उप-केन्द्र सुजानपुर से जोड़ा गया है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

श्री सुक्खू ने कहा कि इससे क्षेत्र में भविष्य में बढ़ने वाली विद्युत मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी तथा लाइन की लंबाई कम होने तथा फीडर के आपस में जुड़े होने के कारण विद्युत हानि में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही कम वोल्टेज की समस्या का भी प्रभावी समाधान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक रणजीत सिंह राणा समय-समय पर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मेरे पास आते थे और राज्य सरकार ने इस कार्य को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया।

उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर सुजानपुर जाकर इस परियोजना का शुभारम्भ करना चाहते थे लेकिन बरसात के कारण यह संभव नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के एक समान विकास को सुनिश्चित कर रही है।

सुजानपुर में उपस्थित विधायक रणजीत सिंह राणा ने इस परियोजना के शुभारम्भ के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की 16 पंचायतें इससे लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, अध्यक्ष राज्य कांग्रेस कमेटी विनय कुमार, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक विनोद सुल्तानपुरी, सुरेश कुमार एवं सुदर्शन बबलू, पूर्व मंत्री राम लाल ठाकुर, प्रबन्ध निदेशक, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड आदित्य नेगी शिमला में उपस्थित थे जबकि उपायुक्त हमीरपुर गंधर्वा राठौड़ तथा पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह वर्चुअल माध्यम से सुजानपुर, हमीरपुर से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

वन महोत्सव पर धुंदन स्कूल के विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अर्की (योगेश चौहान)- वन महोत्सव के अवसर पर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धुंदन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, इको क्लब तथा स्काउट एंड गाइड के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी संतोष बट्ठ तथा इको क्लब प्रभारी डॉ. अनीता देवी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा गोद लिए गए धुंदन बाजार से सटे जंगल में पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व राज्य समन्वयक स्वर्गीय दिलीप ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके नाम पर बेलपत्र का पौधा भी लगाया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान सुनील कुमार, सदस्य मेहरचंद, स्थानीय निवासी प्रमोद, राकेश, सचिन एवं विमला, वन मित्र रितिका और चंचला देवी तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने सहभागिता निभाई। एनएसएस स्वयंसेवियों ने पौधारोपण के साथ-साथ पिछले दो-तीन वर्षों में लगाए गए पौधों का निरीक्षण किया तथा उनकी गुड़ाई कर खरपतवार हटाकर उनकी देखभाल भी की। विद्यालय की प्रधानाचार्या मनोरमा कुमारी चड्ढा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

राम मंदिर निर्माण 500 वर्षों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों की आस्था की विजय का प्रतीक :अनुराग ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जुलाई (बी.शर्मा)

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के संघर्ष, करोड़ों सनातनियों की आस्था तथा रामभक्तों के अथक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सपना उस समय साकार हुआ जब देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हुआ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अनेक नेताओं ने वर्षों तक भगवान श्रीराम के अस्तित्व, रामसेतु और राम जन्मभूमि से जुड़े मुद्दों पर प्रश्न उठाए। आज जब भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है और देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, तब कांग्रेस के नेता राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल के मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में दिए गए बयानों को भी प्रदेश की जनता भूली नहीं है और कांग्रेस को हिंदुओं की आस्था का सम्मान करना चाहिए।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर पर अनावश्यक राजनीति करने के बजाय अपने शासनकाल के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों के समय कई बड़े घोटालों के आरोप देश के सामने आए, जिनमें नेशनल हेराल्ड मामला, 2जी स्पेक्ट्रम मामला, कॉमनवेल्थ गेम्स मामला, कोयला आवंटन (कोलगेट) मामला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामला, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी मामला और अन्य विवाद लंबे समय तक राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहे। उन्होंने कहा कि इन मामलों को लेकर कांग्रेस की जवाबदेही पर देश आज भी प्रश्न उठाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित, विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस लगातार जनभावनाओं से जुड़े विषयों पर राजनीति करने का प्रयास करती रही है। जनता अब तथ्यों और कार्यों के आधार पर निर्णय लेती है और देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास एवं सांस्कृतिक गौरव के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

कांग्रेस की राम मंदिर पर बदलती नीति अवसरवादी राजनीति का प्रतीक : डॉ. राजीव बिंदल

जिन्होंने वर्षों तक राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, आज वही राजनीतिक लाभ के लिए दर्शन कर रहे हैं : बिंदल

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जुलाई (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस पार्टी की राम मंदिर को लेकर बदली हुई नीति पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पर यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है कि 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने दशकों तक तुष्टीकरण की राजनीति की, श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का लगातार विरोध किया और न्यायालय में भी मंदिर निर्माण रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए, वही पार्टी आज भगवान श्रीराम के प्रति प्रेम का प्रदर्शन कर रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर मंदिर निर्माण का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान भगवान श्रीराम को लंबे समय तक तालें और फिर टेंट तक सीमित रखा गया।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस नेताओं का राम मंदिर जाना उनकी आस्था नहीं बल्कि राजनीतिक अवसरवाद का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस अपना रुख बदल रही है, जिसे देश की जनता भली-भांति समझती है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में यह दावा किया था कि 97 प्रतिशत हिंदू आबादी वाले हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने हिंदू विचारधारा को हराकर सत्ता प्राप्त की है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि ऐसे बयान देने वाले नेताओं का आज राम मंदिर जाकर दर्शन करना उनकी दोहरी मानसिकता को उजागर करता है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए और अपने पिछले राजनीतिक आचरण पर भी नजर डालनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों देशवासियों की आस्था के केंद्र हैं और उनके नाम पर राजनीतिक स्वार्थ साधने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की कथनी और करनी के अंतर को भली-भांति पहचान चुकी है।

श्रीराम मंदिर के खिलाफ मुहिम चलाने वाली कांग्रेस राम के नाम पर राजनीति कर रही है : जय राम ठाकुर

सनातन के खिलाफ जहर उगलने वाले मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के साथ राम मंदिर गए तो भी आस्था के लिए नहीं, सिर्फ राजनीति के लिए

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जुलाई (सर्वजीत धर्माणी)

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक में शामिल होने प्रदेश भाजपा मुख्यालय दीपकमल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार सनातन विरोधी बयान देते हैं और सनातन विरोधी काम करते हैं। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में निमंत्रण मिलने के बावजूद वह मंदिर नहीं गए। इतने साल बाद शिमला के राम मंदिर गए भी तो आस्था की वजह से नहीं, बल्कि राजनीति की वजह से। पूरा देश कांग्रेस के असली चरित्र और उसके सनातन विरोधी रवैये को अच्छी तरह जानता और पहचानता है, इसलिए कांग्रेस की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि हमेशा भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाली, राम मंदिर के खिलाफ अपने वकीलों की फौज खड़ी करने वाली, राम मंदिर निर्माण के फैसले पर रोक लगाने की मांग करने वाली और माननीय उच्चतम न्यायालय में भगवान श्रीराम को काल्पनिक पात्र बताने वाला हलफनामा देने वाली कांग्रेस आज राम के नाम पर राजनीति कर रही है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, जो 97 प्रतिशत हिंदुओं को हराकर सत्ता में आने का दावा करते हैं, स्वयं को बार-बार सनातन विरोधी साबित कर चुके हैं। राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में आमंत्रित होने के बावजूद उन्होंने उसका बहिष्कार किया। कांग्रेस ने तो रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ही अस्वीकार कर दिया था। किसी मंदिर में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को कौन सनातनी अस्वीकार कर सकता है? 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सनातनियों के लिए यह शुभ अवसर आया था, लेकिन कांग्रेस ने बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान करना भी जरूरी नहीं समझा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू स्कूली बच्चों द्वारा उनके अभिवादन में राधे-राधे कहने पर सवाल उठाते हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले अपने नेताओं और मंत्रियों से जवाब-तलब करते हैं। भगवान श्रीराम और राम मंदिर का हर कदम पर विरोध करने वाली कांग्रेस तथा हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री अब अपने मंत्रिमंडल के साथ शिमला के राम मंदिर जाकर सियासी नौटंकी कर रहे हैं। इतने वर्षों बाद कांग्रेस नेताओं का राम मंदिर जाना आस्था का नहीं, बल्कि उनकी राजनीति का विषय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा' से सम्मानित किए जाने पर दी बधाई

इंडोनेशिया गणराज्य द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा' से सम्मानित किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और गौरव का विषय है। यह सम्मान भारत और इंडोनेशिया के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों, प्रगाढ़ मित्रता तथा निरंतर सुदृढ़ हो रही व्यापक रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर निरंतर नई प्रतिष्ठा अर्जित कर रहा है और उसकी आवाज़ पहले से अधिक प्रभावशाली एवं सशक्त होकर उभर रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

बरोटीवाला स्कूल में स्कूल प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

विद्यालय विकास एवं विद्यार्थियों के हित में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

» प्रथम न्यूज । बरोटीवाला

07 जुलाई (तारा)

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरोटीवाला में नवगठित विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की प्रथम बैठक प्रधानाचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालय के विकास व छात्रों के हित में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में प्राथमिक तथा माध्यमिक दोनों वर्गों के विद्यार्थियों के अभिभावक शामिल रहे।

बैठक का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक लक्ष्मी चंद शास्त्री ने किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति के 25 सदस्यों का चयन किया गया तथा नवनिर्वाचित एसएमसी प्रधान शिव कुमार चौधरी का स्वागत किया गया।

बैठक में सीबीएसई मानकों के अनुरूप विद्यालय के आधारभूत ढांचे के विकास, रिक्रिएशन हॉल, वोकेशनल लैब, विज्ञान प्रयोगशाला एवं परीक्षा हॉल के निर्माण, फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थापना, सफाई कर्मचारियों के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने, विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विद्यालय के बाहर आवश्यक साइन बोर्ड लगाने, संगीत वाद्य यंत्र क्रय करने, बाउंड्री वॉल पर फेंसिंग करवाने, वित्तीय वर्ष के लिए विद्यालय कैंटीन का ठेका पूर्ववत जारी रखने तथा विद्यालय परिसर में आवश्यक मरम्मत एवं विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

प्रधानाचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यालय का समग्र विकास अभिभावकों, एसएमसी एवं विद्यालय परिवार के सामूहिक सहयोग से ही संभव है। एसएमसी प्रधान शिव कुमार चौधरी ने विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में एसएमसी के सदस्य, अभिभावक, शिक्षकगण एवं विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने विद्यालय हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

टीम इंडिया का सरेंडर, इंग्लैंड ने दी शर्मनाक हार; चकनाचूर हुआ सीरीज जीतने का सपना

ब्रिटेन दौरे पर एक अदद जीत की तलाश कर रही भारतीय टीम को एक बार फिर निराशा हाथ लगी। तीसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 125 रन से हराया। इंग्लैंड की ओर से फिल साल्ट (70) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच वर्षा से रद हो गया था, जबकि दूसरे मैच में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराया था। ऐसे में अब भारत का सीरीज जीतने का सपना चूर हो गया है।

इंग्लैंड ने बनाए 201 रन

युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी की, लेकिन फिर भी वे इंग्लैंड को 200 रन का आंकड़ा छूने से नहीं रोक पाए। इंग्लैंड ने मंगलवार को नाटिंघम में खेले जा रहे तीसरे टी-20 मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 201 रन का स्कोर खड़ा किया।

202 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई और 76 रन पर ढेर हो गई। पावरप्ले में आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। यह पहली बार हुआ जब भारत ने ञ20ढ्ढ मैच के शुरुआती छह ओवरों में ही अपने शुरुआती पांच विकेट गंवा दिए हैं। पावरप्ले के बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला नहीं रुका। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

भारत ने जीता टॉस

टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। भारत ने गेंदबाजी की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड को शुरुआती आठ गेंदों तक कोई रन नहीं बनाने दिया, लेकिन इसके बाद मेजबान टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले में वापसी कर ली। फिल साल्ट और जोस बटलर की दमदार शाट्स के चलते पहले छह ओवर यानी पावरप्ले के अंत तक इंग्लैंड ने एक विकेट

पर 49 रन बना लिए।

आए और छाए प्रिंस - इंग्लैंड की धरती पर पहला मैच खेल रहे भारतीय तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने अपनी पहली ही गेंद पर बड़ा झटका देते हुए खतरनाक दिख रहे बटलर को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर दिल्ली के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक (16) को भी आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

हालांकि शुरुआती झटकों के बावजूद इंग्लैंड ने तेजी से रन बनाने की रणनीति अपनाई और साल्ट ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने मैदान के एक हिस्से में छोटी बाउंड्री का पूरा फायदा उठाते हुए विशेष रूप से साल्ट ने भारतीय स्पिनरों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रन गति को लगातार नौ रन प्रति ओवर से ऊपर बनाए रखा।

प्रिंस के अलावा हर्षित राणा ने पिछले मैच के नायक रहे जैकब बेथेल (13) और टॉम बेंटन (00) को लगातार दो गेंदों पर आउट कर मैच को भारत के पक्ष में करने की कोशिश, लेकिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पावरप्ले के अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाकर मुकाबले में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

भारतीय टीम की शर्मनाक बल्लेबाजी

202 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम ने पावरप्ले में 6 विकेट खो दिए। अभिषेक शर्मा (10) और वैभव सूर्यवंशी (13) के बीच 11 गेंदों पर 23 रन की साझेदारी हुई। ईशान किशन (13), कप्तान श्रेयस अय्यर (5) और अक्षर पटेल (10) का बल्ला नहीं चला। आगे भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। 8वें ओवर में तिलक वर्मा (3), 9वें ओवर में शिवम दुबे (2) और 10वें ओवर में अर्शदीप सिंह (4) पवेलियन लौट गए। हर्षित राणा ने 9 और वरुण चक्रवर्ती ने 5 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड की ओर से दूसरा टी20 मैच खेल रहे जोश टंग ने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को 3 सफलताएं मिली। आदिल राशिद के खाते में 2 और विल जैक्स के हिस्से में 1 विकेट आया।

आखिरी वर्ल्ड कप में टूटा रोनाल्डो का सपना, स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर किया बाहर

कुछ सपने अधूरे ही रह जाते हैं। तमाम कोशिशों और अथक मेहनत के बावजूद वे मुकाम तक नहीं पहुंच पाते। फुटबॉल के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। फीफा विश्व कप-2026 के क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके साथ ही रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना हमेशा के लिए अधूरा रह गया।

मैच से एक दिन पहले 41 वर्षीय रोनाल्डो ने साफ कर दिया था कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। ऐसे में यह मुकाबला उनके लिए 'करो या मरो' जैसा था। हार के बाद जब वह नम आंखों के साथ मैदान से बाहर निकले तो स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और दुनिया भर में मैच देख रहे उनके करोड़ों प्रशंसक भी भावुक हो उठे। मुकाबला उम्मीद के मुताबिक बेहद रोमांचक और कांटे का रहा। दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, वहीं रक्षा पंक्ति भी पूरी तरह सतर्क रही। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। मैच का फैसला इंजुरी टाइम में हुआ, जब स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद पुर्तगाल ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन स्पेन की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक न चली।

इस मुकाबले के साथ 2010 विश्व कप की यादें भी ताजा हो गईं, जब क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को इसी 1-0 के अंतर से हराया था। उस वर्ष स्पेन ने पहली बार विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। रोनाल्डो ने अपने शानदार करियर में क्लब और अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर लगभग हर बड़ा खिताब और व्यक्तिगत सम्मान हासिल किया, लेकिन विश्व कप ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लग सकी। मैच समाप्त होने के बाद उनकी आंखों में छलकते आंसू इस अधूरे सपने का दर्द साफ बयां कर रहे थे।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने दबाव बनाया। तीसरे मिनट में डानी ओल्मो के पास पर मिकेल ओयारजाबाल को पहला मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने यामाल और एलेक्स बाएना के शानदार प्रयासों को विफल कर अपनी टीम को राहत दिलाई। पुर्तगाल ने भी जवाबी हमला किया। 41वें मिनट में नूनो मेंडेस का जोरदार लेफ्ट फुट शॉट पेड्रो पोरो से टकराकर क्रॉसबार के ऊपर निकल गया। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं।

दूसरे हाफ की शुरुआत में पुर्तगाल ने आक्रामक रुख अपनाया और स्पेन पर लगातार दबाव बनाया।

रोनाल्डो ने भी कुछ अच्छे प्रयास किए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। 76वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस का दमदार शॉट साइड नेट में जाकर लगा, जबकि डानी ओल्मो के एक और खतरनाक प्रयास को रूबेन डियास ने शानदार तरीके से रोक दिया।

जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी इंजुरी टाइम के पहले मिनट में मिकेल मेरिनो ने निर्णायक गोल कर स्पेन को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। वहीं, इस हार के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप चैंपियन बनने का सपना भी हमेशा के लिए टूट गया।

जिम्बाब्वे दौरे से संजू को बाहर करने पर भड़के रहाणे, चयनकर्ताओं पर खड़े किए सवाल

भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए घोषित भारतीय टी20 टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जगह नहीं मिलने पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ताओं ने इस फैसले की जानकारी पहले संजू सैमसन को दी होगी।

अजिंक्य रहाणे ने संजू सैमसन के समर्थन में क्या कहा?

अजिंक्य रहाणे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर संजू सैमसन का समर्थन करते हुए लिखा उम्मीद है कि @imsanjusamson से इस बारे में बात की गई होगी। मुझे यह अजीब लगता है कि हाल ही में टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 टीम में जगह नहीं मिली। उम्मीद है कि वह जल्द ही भारतीय टीम में वापसी करेंगे।

रहाणे ने यह सवाल क्यों उठाया?

रहाणे की यह प्रतिक्रिया भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित होने के बाद आई। हाल ही में भारत की टी20 विश्व कप जीत में योगदान देने वाले संजू सैमसन को इस टीम में शामिल नहीं किया गया।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम में किन खिलाड़ियों को पहली बार मौका मिला?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 6 जुलाई को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान किया। इस टीम में अशोक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और यश ठाकुर को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली।

भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 23 जुलाई से होगी। पहला मुकाबला 23 जुलाई, दूसरा 25 जुलाई और तीसरा 26 जुलाई को खेला जाएगा। तीनों मैच हरारे में आयोजित होंगे।

श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में भारत के लिए पदार्पण करने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अपनी जगह बरकरार रखी है। वहीं तिलक वर्मा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट में कॉमर्स सोसायटी का गठन, नई कार्यकारिणी का हुआ चयन

अर्की (योगेश चौहान)- उपमंडल अर्की के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट में सोमवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कॉमर्स सोसायटी का गठन किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का चयन किया गया।

प्राध्यापिका डॉ. भावना आजाद ने विद्यार्थियों को वाणिज्य विभाग द्वारा विगत वर्षों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से अवगत करवाया।

विभागाध्यक्ष एवं सहायक आचार्य पुनीत ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बी.कॉम. तृतीय वर्ष के छात्र वैभव को उपाध्यक्ष, कोमल को सचिव, सुजल ठाकुर को सह सचिव तथा मयंक गुप्ता को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की कॉमर्स सोसायटी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती रही है। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के सभी विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

31 जुलाई तक मांगें नहीं मानीं तो फिर होगा आंदोलन : पेंशनर्स महासंघ

अर्की (योगेश चौहान)- भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, अर्की इकाई की बैठक सोमवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह अर्की में इकाई के प्रधान कृष्ण चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की जानकारी देते हुए इकाई सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि इसमें बड़ी संख्या में पेंशनरों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में उपस्थित पेंशनरों ने सरकार के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक उनकी 14 सूत्रीय मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि 31 जुलाई तक लंबित मांगों का समाधान नहीं किया गया तो पेंशनर्स आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए विवश होंगे। उन्होंने सरकार से समय रहते सभी लंबित मांगों को स्वीकार कर पेंशनरों को राहत प्रदान करने की अपील की। बैठक में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के जिला अध्यक्ष बाबूराम ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि महासंघ की संघर्ष समिति पेंशनरों की मांगों को मनवाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सरकार के समक्ष सभी मुद्दों को मजबूती से उठा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार पेंशनरों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी पेंशनरों से संगठन की एकजुटता बनाए रखते हुए आगामी कार्यक्रमों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया गया।

नालागढ़ में प्रस्तावित पैराग्लाइडिंग स्थल का अंतिम ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न

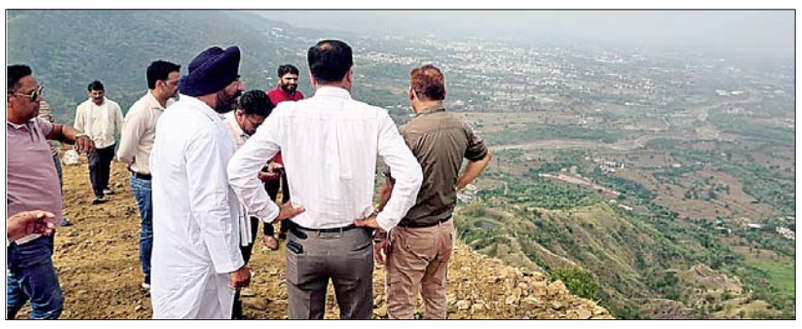

» प्रथम न्यूज । नालागढ़

07 जुलाई (गुरजीत सिंह)

नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा की अध्यक्षता में मंगलवार को नालागढ़ तहसील की ग्राम पंचायत कोईडी में प्रस्तावित टेक-ऑफ स्थल तथा प्रस्तावित लैंडिंग स्थल का अंतिम तकनीकी ट्रायल एवं निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हरदीप सिंह बावा ने कहा कि आज पैराग्लाइडिंग सफल तकनीकी परीक्षण, प्रस्तावित स्थल पैराग्लाइडिंग गतिविधियों के लिए आवश्यक सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों पर खरा उतरा है। विभाग द्वारा अंतिम स्वीकृति मिलने के उपरांत यह सोलन ज़िला का पहला अधिकृत पैराग्लाइडिंग स्थल बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पैराग्लाइडिंग स्थल के सफल ट्रायल के उपरांत इसके लिए गठित तकनीकी समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र तैयार कर अंतिम स्वीकृति के लिए पर्यटन विभाग को प्रेषित करेगी। विभागीय स्वीकृति प्राप्त होने के बाद इस स्थल को विशेषज्ञों की अनुशंसाओं एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत स्थल तक सड़क संपर्क को भी संबंधित विभागों के माध्यम से सुदृढ़ बनाया जाएगा, ताकि पर्यटकों एवं साहसिक खेल प्रेमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सके।

हरदीप सिंह बावा ने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति इसे साहसिक पर्यटन के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा तथा चंडीगढ़ से इसकी निकटता के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आकर्षित होंगे, जिससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि पैराग्लाइडिंग गतिविधियों के आरंभ होने से स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा साहसिक पर्यटन से जुड़े स्वरोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मज़बूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा नालागढ़ में पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक गतिविधियों की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी।

उपमंडलाधिकारी नालागढ़ एवं मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अहलूवालिया ने कहा कि समिति द्वारा प्रस्तावित स्थल का विभिन्न चरणों में विस्तृत सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण एवं आवश्यक मानकों के अनुरूप मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत यह स्थल साहसिक गतिविधियों के लिए आरम्भ किया जाएगा।

इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली के प्रशिक्षक गिमनर सिंह ने प्रस्तावित टेक-ऑफ साइट से सफलतापूर्वक पैराग्लाइडिंग एकल ट्रायल उड़ान भरते हुए सुरक्षित लैंडिंग की। संस्थान के अधिकारियों ने स्थल का विस्तृत निरीक्षण कर इसकी तकनीकी एवं सुरक्षा संबंधी उपयुक्तता का आंकलन किया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली के उपनिदेशक लूद्र सिंह, तहसीलदार नालागढ़ हुस्न चंद, ज़िला पर्यटन अधिकारी सोलन पदमा, खंड विकास अधिकारी नालागढ़ अरविंद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

लंबित मानदेय से परेशान होमगार्ड जवान, सरकार से भुगतान की मांग

विधानसभा सुरक्षा व चुनाव ड्यूटी का भत्ता अटका, होमगार्ड संघ ने उठाई आवाज

डलहौजी (सुरेंद्र भवानी)- हिमाचल प्रदेश के होमगार्ड जवानों को लंबित मानदेय, भत्तों और अन्य देयकों के भुगतान में हो रही देरी को लेकर गृह रक्षक कल्याण संघ ने चिंता जताई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह चौहड़िया ने कहा कि होमगार्ड जवान पुलिस एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर मानदेय और भत्ते नहीं मिल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि फरवरी और मार्च माह में विधानसभा सुरक्षा ड्यूटी तथा पंचायत चुनावों में तैनात रहे जवानों को अभी तक उनके मानदेय और भत्तों का भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा पिछले वर्ष मणिमहेश यात्रा के दौरान ड्यूटी पर तैनात जवानों के बस किराये की राशि भी लंबित है। भुगतान में देरी के कारण जवानों को बच्चों की शिक्षा, माता-पिता के उपचार और परिवार के दैनिक खर्चों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

चौहड़िया ने कहा कि होमगार्ड जवान किसी भी प्राकृतिक या मानवजनित आपदा के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया बल के रूप में कार्य करते हैं और मेले, वीवीआईपी सुरक्षा सहित अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें टीए/डीए, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, ईपीएफ, पेंशन तथा अन्य सेवा लाभों से वंचित रखा गया है।

संघ ने मुख्यमंत्री तथा महानिदेशक, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा से विधानसभा सुरक्षा, पंचायत चुनाव और अन्य ड्यूटियों के लंबित भुगतान को शीघ्र जारी करने की मांग की है। साथ ही वर्ष 2016 के संशोधित वेतनमान के शेष एरियर का भुगतान भी जल्द करने का आग्रह किया है।

नशामुक्त समाज के संकल्प को मिला नया आयाम: राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में नशा निवारण समिति की बैठक, बनाई

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

07 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में नशा निवारण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना तथा विभिन्न विभागों एवं स्थानीय समुदाय के सहयोग से जनजागरूकता अभियान को और अधिक सशक्त बनाना था।

बैठक में थाना कोट से एएसआई पवन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध केवल पुलिस कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिवार, विद्यालय, पंचायत और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता, सतर्कता और समय पर सूचना देने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गुरमेल सिंह, नशा निवारण समिति की प्रभारी रेखा अत्री, स्थानीय पंचायत सचिव, पटवारी, स्थानीय समाजसेवी तथा विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरण अभियान चलाने पर बल दिया।झ

समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि विद्यालय स्तर पर नियमित जागरूकता गतिविधियाँ, अभिभावक बैठकें, विशेषज्ञ व्याख्यान, रैलियाँ, शपथ ग्रहण कार्यक्रम, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताएँ तथा समुदाय आधारित जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। साथ ही नशे से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित विभागों तक पहुँचाने के लिए समन्वित व्यवस्था भी विकसित की जाएगी।

प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने कहा कि नशे के विरुद्ध यह लड़ाई केवल विद्यालय की नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना को शीघ्र ही मजारी पंचायत के प्रधान के साथ साझा कर पंचायत स्तर पर विस्तारित किया जाएगा, ताकि प्रत्येक वार्ड, परिवार और युवा तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुँच सके।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज को नशामुक्त बनाने, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने तथा प्रशासन, पुलिस, पंचायत और विद्यालय के संयुक्त प्रयासों से इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

चंबा में माय भारत पोर्टल पंजीकरण अभियान तेज, उपायुक्त ने दिए लक्ष्य पूरे करने के निर्देश

युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का माध्यम बनेगा माय भारत पोर्टल : मुकेश रेपसवाल

चंबा (एएम नाथ)- जिले में माय भारत पोर्टल पर युवाओं के पंजीकरण को गति देने तथा इंटेंसिव रजिस्ट्रेशन ड्राइव को सफल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को उपायुक्त मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्र युवाओं को माय भारत पोर्टल से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि माय भारत युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, कौशल विकास केंद्रों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से प्रत्येक पात्र युवा तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाए और अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि कोई भी पात्र युवा इस अवसर से वंचित न रहे।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी राहुल गर्ग ने माय भारत पोर्टल की कार्यप्रणाली और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह मंच युवाओं को स्वयंसेवा, कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता के विकास, सामाजिक गतिविधियों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा और क्षमता का बेहतर उपयोग करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सकते हैं।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी जोर दिया। इस दौरान उप निदेशक उच्च शिक्षा विकास महाजन, जिला रोजगार अधिकारी जितेंद्र सिंह वर्मा, डॉ. हरित पुरी, तुकेश शर्मा, रूपेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बारबेक नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने अधिसूचित किए 100 पद

13 जुलाई को उप रोजगार कार्यालय घुमारवीं में होगा साक्षात्कार

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि बारबेक नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड द्वारा हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में सामान्य डियूटी के 100 पद अधिसूचित किए है। इन पदों के लिए जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर में 13 जुलाई को प्रात: 10:00 बजे से साक्षात्कार आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए उम्मीदवार की आयु 18 से 28 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं अथवा डिप्लोमा पास होना चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 16,000 रुपये मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चयनित अभ्यार्थियों को निशुल्क भोजन एवं आवास, पीएफ, इएसआई, इंसेंटिव तथा कंपनी द्वारा अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को जॉब टेऊनिंग के साथ-साथ मान्यता प्राप्त मेधावी यूनिवर्सिटी से होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा अथवा डिग्री करने का अवसर प्रदान किया जाएगा, जो पूर्णत: निशुल्क होगा। चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण एवं अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र, डिप्लोमा अथवा डिग्री प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीकरण कार्ड, हिमाचली बोनाफाइड प्रमाण पत्र तथा दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट आकार के फोटो सहित निर्धारित स्थान, तिथि व समय पर उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 90560-56085 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

होशियारपुर पुलिस की यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती बड़े हॉर्न और बिना नंबर प्लेट वाला मोटरसाइकिल जब्त

होशियारपुर, (तरसेम दीवाना) - जिले में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और हुड़दंगियों पर नकेल कसने के लिए होशियारपुर पुलिस द्वारा सख्त अभियान चलाया गया है। इसी कड़ी में स्थानीय बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर चौक पर ट्रैफिक इंचार्ज सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में विशेष नाकाबंदी की गई थी। नाके के दौरान जब पुलिस टीम द्वारा एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रुकने का इशारा किया गया, तो चालक पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर भाग गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। जांच के दौरान सामने आया कि हीरो होंडा कंपनी के इस मोटरसाइकिल (नंबर PB-07-CN-5266) पर बहुत बड़ा (गैर-कानूनी) हॉर्न और कई गैर-ज़रूरी लाइटें लगाई हुई थीं। इसके अलावा मोटरसाइकिल के पिछले हिस्से पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं थी। हालांकि, कुछ समय बाद मोटरसाइकिल चालक खुद पुलिस के पास पेश हो गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्रैफिक इंचार्ज सुरेंद्र कुमार ने बताया कि एसएसपी होशियारपुर संदीप मलिक आईपीएस द्वारा सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि मोटरसाइकिल, स्कूटर या एक्टिवा पर पटाखे मारने वाले साइलेंसर, गैर-कानूनी बड़े हॉर्न, बेवजह लगाई गई लाइटें और ट्रिपल राइडिंग (तीन सवारियों) करने वालों के खिलाफ तुरंत सख्त चालान काटे जाएं। ट्रैफिक इंचार्ज ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वाहनों के सभी कागजात पूरे रखें और वाहनों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिलों पर लगाए जाने वाले ऊंची आवाज वाले हॉर्न सड़क पर चलने वाले दिल के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक साबित होते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा बन सकता है।

केरल के वायनाड में भूस्खलन से 3 मजदूरों की मौत

टनल निर्माण के दौरान मीनाक्षी पुल के पास हुआ हादसा

» प्रथम न्यूज । वायनाड
07 जुलाई (ब्यूरो)

केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के चलते एक बड़ा भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हुआ है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत की खबर है, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। रेस्क्यू टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए अब तक 6 लोगों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया है और बाकी फंसे लोगों की तलाश जारी है।

मिट्टी का बड़ा टीला दरकने से हुआ

जानकारी के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 10 बजे घटी है। कललाडी इलाके में मीनाक्षी पुल के पास टनल की खुदाई के चलते वहां मिट्टी का एक बड़ा टीला बन गया था। लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से मिट्टी का यह टीला और उसके आसपास की पहाड़ी का हिस्सा अचानक दरक गया और तेजी से नीचे की ओर आ गिरा।

टनल निर्माण क्षेत्र में मीनाक्षी पुल के पास गिरी पहाड़ी

यह हादसा वायनाड के मेप्पाडी स्थित कललाडी इलाके में मीनाक्षी पुल के पास हुआ है, जहां वायनाड टनल निर्माण का काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि पुल के पास स्थित पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढहकर सीधे सड़क और पास बह रही नदी में आ गिरा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब वहां मौजूद मजदूर टनल निर्माण के कार्य में जुटे हुए थे।

मजदूरों का कैंप और दो बसें मलबे की चपेट में

पहाड़ी के नीचे की ओर काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के रहने के लिए एक अस्थायी (टेम्प्रेरी) कैंप बनाया गया था।

इसके साथ ही, दो बसों के जरिए स्थानीय मजदूरों को भी काम के लिए वहां लाया गया था। भूस्खलन इतना भीषण था कि ये दोनों बसें और मजदूरों का अस्थायी कैंप पूरी तरह से मलबे की चपेट में आ गया। हालांकि, राहत की बात यह अंदाजा लगाई जा रही है कि हादसा सुबह के समय हुआ, जिसके चलते ज्यादातर लोग सतर्क हो गए और समय रहते सुरक्षित स्थानों पर भागने में कामयाब रहे। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नालागढ़ में एब्यूज अवेयरनेस कैंपेन ड्रग फ्री हिमाचल के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नालागढ़ 7 जुलाई(गुरजीत सिंह): पुलिस जिला बद्दी के पुलिस अधीक्षक विनोद धीमान ने मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छात्र नालागढ़ में आयोजित एब्यूज अवेयरनेस कैंपेन ड्रग फ्री हिमाचल कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक विनोद धीमान ने विद्यार्थियों से कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा और समाज को बर्बाद कर देता है।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अपने मित्रों एवं परिवार को भी जागरूक करने तथा ड्रग फ्री हिमाचल अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि यदि किसी क्षेत्र में नशा तस्करी या नशे से संबंधित कोई गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कानून का पालन करने, अच्छे नागरिक बनने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

किराना दुकान की आड़ में चल रहा था चरस का कारोबार

» प्रथम न्यूज । मुजफ्फरपुर
07 जुलाई (ब्यूरो)

बिहार में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने मुजफ्फरपुर जिले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपी किराना दुकान की आड़ में चुपचाप मादक पदार्थों की तस्करी का काम कर रहा था। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उसके पास से चार किलोग्राम चरस बरामद की है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर उसके पूरे नेटवर्क, सप्लाई चैन और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

STF और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, बिहार STF की विशेष टीम को मुजफ्फरपुर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर STF और जिले की औराई थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस टीम ने संदिग्ध स्थान पर छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान उसके पास से बड़ी मात्रा में चरस बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से इस अवैध कारोबार में शामिल हो सकता है। आरोपी की पहचान मुन्नू कुमार के रूप में हुई पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुन्नू कुमार उर्फ मुन्नू साह के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि वह किराना दुकान चलाने की आड़ में नशे के कारोबार को अंजाम दे रहा था। पुलिस अब आरोपी के पुराने रिकॉर्ड खंगाल रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह चरस कहां से लाता था और किन-किन इलाकों में इसकी सप्लाई करता था। किराना दुकान की आड़ में चल रहा था अवैध कारोबार।

मेल और चूहन में 6.58 करोड़ से बनेंगे नए पीएचसी भवन

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने किया भूमि पूजन

भटियात के ग्रामीणों को मिलेगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा, एक साल में पूरा होगा निर्माण कार्य

» प्रथम न्यूज । चंबा
07 जुलाई (एएम नाथ)

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सोमवार को भटियात विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेल और चूहन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भवनों के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। दोनों स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवनों का निर्माण 6 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पीएचसी मेल भवन के निर्माण पर लगभग 3.73 करोड़ रुपये तथा पीएचसी चूहन भवन पर 2.85 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दोनों परियोजनाओं के लिए 2-2 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की जा चुकी है, जबकि शेष राशि निर्माण कार्य की प्रगति के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी बीएसएनएल को एक सप्ताह के भीतर कार्य शुरू करने और एक वर्ष के भीतर इसे पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए भवनों में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आवासीय व्यवस्था भी होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हो सकेंगी।

पीएचसी मेल के निर्माण से मेल, नैनीखड्ड, बैली और सुदली पंचायतों के लोगों को लाभ मिलेगा, जबकि पीएचसी चूहन से चूहन, समलेउ और मोरनु पंचायतों की करीब 5 से 6 हजार आबादी को सीधे तौर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

पठानिया ने कहा कि भटियात क्षेत्र के प्रत्येक गांव को सड़क सुविधा से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि ढलोग, मेल, बैली, सुदली, मोरनु, भगडार, समलेउ और चूहन सहित विभिन्न पंचायतों में 39 सड़कों के निर्माण की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। साथ ही क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 165 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं पर कार्य चल रहा है। उन्होंने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

केतन को तो मरना ही था! 4 महीने पहले ही चेतन से शादी कर चुकी थी सिया; मोबाइल का लॉक खुलते ही खुले राज

» प्रथम न्यूज । पुणे
07 जुलाई (ब्यूरो)

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान रिकवर किए गए मोबाइल डेटा से संकेत मिले हैं कि आरोपी चेतन और सिया ने लगभग चार महीने पहले गुप्त रूप से शादी की थी, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने परिवारों से भी छिपाकर रखी थी.

जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या से पहले और वारदात के बाद पुलिस जांच और कानूनी कार्रवाई से बचने के तरीकों को लेकर सिया पहले से जानकारी जुटा रही थी. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन से रिकवर किए गए वाट्सऐप चैट में शादी से जुड़े कई सबूत मिले हैं. इन्हीं डिजिटल सबूतों के आधार पर पुलिस दोनों के रिश्ते, उनकी बातचीत और वारदात से पहले की गतिविधियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है. फिलहाल इस कथित विवाह से जुड़े सभी तथ्यों का वेरिफिकेशन किया जा रहा है. जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या से पहले सिया गोयल ने पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ी कई जानकारियां जुटाने का प्रयास किया था. पुलिस के मुताबिक, उसने यह समझने की कोशिश की कि महिला आरोपियों से पूछताछ कैसे की जाती है, पुलिस हिरासत में उनके साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है, पूछताछ के दौरान किस तरह के सवाल पूछे जाते हैं और गंभीर आपराधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई किस प्रकार आगे बढ़ती है.

हत्या से पहले देखी थी क्राइम वेब सीरीज़

जांच के दौरान मोबाइल डेटा के जांच में यह भी सामने आया है कि वारदात से पहले दोनों आरोपियों ने अपराध पर आधारित कई वेब सीरीज़ और फिल्में देखी थीं. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इनकी ऑनलाइन गतिविधियों और कथित हत्या की योजना के बीच कोई संबंध है. फिलहाल इस पहलू की तकनीकी और फॉरेंसिक जांच जारी है.

चंबा के 1,619 स्कूलों में भूकंप सुरक्षा मॉक ड्रिल, हजारों छात्रों ने लिया हिस्सा

'ड्रॉप, कवर एंड होल्ड' तकनीक का प्रशिक्षण, स्कूलों में भूकंप से बचाव का अभ्यास

» प्रथम न्यूज । चंबा
07 जुलाई (एएम नाथ)

जिला चंबा के सभी 15 शिक्षा खंडों के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में मंगलवार को 'ड्रॉप, कवर एंड होल्ड' भूकंप सुरक्षा मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के 163 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों, 96 उच्च विद्यालयों, 224 माध्यमिक विद्यालयों तथा 1,136 प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मॉक ड्रिल के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि भूकंप आने पर घबराने के बजाय 'ड्रॉप, कवर एंड होल्ड' तकनीक अपनाकर स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

अभ्यास के दौरान प्री-ड्रिल गतिविधियों के तहत सुरक्षित स्थानों की पहचान, विद्यालय परिसर से व्यवस्थित निकासी तथा आपदा के समय बरती जाने वाली जरूरी सावधानियों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। विद्यार्थियों को संकट की स्थिति में संयम बनाए रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को भूकंप जैसी आपदाओं के प्रति सजग और तैयार बनाना है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट पर गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,

38 आतंकियों की फांसी और 11 की उम्रकैद बरकरार

» प्रथम न्यूज । अहमदाबाद
07 जुलाई (ब्यूरो)

साल 2008 में अहमदाबाद को दहलाने वाले सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने आज अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट के फैसले पर मुहर लगाते हुए इस दिल दहला देने वाले हमले के 38 आतंकियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। इसके साथ ही 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा भी जारी रहेगी।

अदालत ने पीड़ितों के हक में अहम निर्देश देते हुए इस हमले में जान गंवाने वाले 56 मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और 200 से अधिक घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

निचली अदालत के फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर

कानून के मुताबिक, किसी भी अपराधी की फांसी की सजा पर अमल के लिए हाईकोर्ट की मंजूरी अनिवार्य होती है।

इसी के चलते मौत की सजा पाए दोषियों ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जबकि राज्य सरकार ने भी सजा की पुष्टि के लिए याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि साल 2022 में सेशन कोर्ट ने 14 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद इस मामले को 'दुर्लभ से दुर्लभतम' (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) मानते हुए 38 आतंकियों को मौत की सजा और 11 को उम्रकैद सुनाई थी।

भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी एक मामले में एक साथ 38 दोषियों को फांसी की सजा दी गई थी।

70 मिनट में 21 धमाकों से दहल उठा था शहर

26 जुलाई 2008 का वह काला दिन आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जब अहमदाबाद शहर महज 70 मिनट के भीतर एक के बाद एक हुए 21 बम धमाकों से कांप उठा था। इस बर्बर आतंकी हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और 200 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत नरोदा, बापू नगर, सरखेज और हटकेश्वर जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों को अपना निशाना बनाया था।

अस्पतालों और सिटी बसों में रचा गया था मौत का खेल

हमलावरों ने इस क्रूर वारदात को अंजाम देने के लिए साइकिलों पर रखे टिफिन बॉक्स में बम छिपाए थे। आतंकियों ने सार्वजनिक स्थानों और बाजारों के साथ-साथ अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस की सिटी बसों को भी निशाना बनाया, जिससे विस्फोट की तीव्रता से बसों के परखच्चे उड़ गए। क्रूरता की हद तब पार हो गई।

जब शुरुआती धमाकों के करीब 40 मिनट बाद दो अलग-अलग अस्पतालों के परिसरों के भीतर भी बम विस्फोट किए गए। इनमें से एक अस्पताल में धमाका ठीक उस वक्त हुआ, जब शुरुआती धमाकों में लहूलुहान और घायल हुए पीड़ितों को इलाज के लिए वहां भर्ती कराया जा रहा था।